राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 301 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 09 सितंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

बाढ़ आपदा को लेकर संघ ने बढ़ाई सेवाकार्यों की गति

जालंधर। पंजाब में बाढ़ के रूप में आई आपदा की भयावहता को देखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने समाज के सहयोग से अपने सेवा कार्यों की गति को और बढ़ा दिया है। संघ के पंजाब प्रांत संघचालक स. इकबाल सिंह ने कहा है कि संघ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है और उपेक्षित इलाकों में सेवाकार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रैस को जारी विज्ञप्ति में स. इकबाल सिंह ने बताया कि सेवा भारती, भारत विकास परिषद्, विद्या भारती, किसान संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् इत्यादि, माधव राव मूले सेवा समिति, सरहदी लोकसेवा समिति आदि संगठनों के बैनर तले संघ के स्वयंसेवक आपदाग्रस्त लोगों तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि पंजाब में बाढ़ प्रभावित इलाकों में 41 स्थानों पर संघ के 1743 स्वयंसेवक सेवा, राहत एवं बचाव कार्यों में लगे हैं।

पाक डॉन भट्टी के गुर्गे का आदमपुर में एनकाउंटर, पैर में लगी गोली

जालंधर। जालंधर देहात के थाना आदमपुर के गांव डरोली में रात करीब 10.30 बजे पुलिस एनकाउंटर में पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी का गुर्गा दविंदर सिंह बाजा जख्मी हो गया। उसे जख्मी अस्पताल में आदमपुर के सरकारी अस्पताल में लाया गया है। उसके दाएं पैर में गोली लगी है। शूटर बाजा वासी गांव डमूंडा (आदमपुर) ने रात होशियारपुर के मॉडल टाउन में एनआरआई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सिमरन सिकंद उर्फ सैम के घर पर फायरिंग की। फायरिंग की जिम्मेदारी पाक डॉन भट्टी ले ली थी। भट्टी सैम के घर पर ग्रेनेड फेंकने की धमकी देकर फिरौती मांग रहा था। इससे पहले बाजा ने 26 जून को आदमपुर में एएसआई सुखविंदर सिंह के बेटे हरमनप्रीत सिंह को गोली मारी थी। गोली उसके पैर में लगी थी। पुलिस ने बाजा के साथी परमिंदर सिंह को पकड़ लिया था, लेकिन बाजा खुद फरार था। डीएसपी कुलवंत सिंह ने एनकाउंटर की पुष्टि की है। थाना आदमपुर के प्रभारी रविंदर पाल बताया कि उन्हें इनपुट मिले थे कि पाक डॉन भट्टी का गुर्गा बाजा आदमपुर एरिया में आ रहा है।

नेपाल में सोशल मीडिया बैन-सड़क पर युवाओं का बवाल

संसद भवन में घुसे लोग-पुलिस ने की फायरिंग,14 की मौत

काठमांडू/ एजेंसी

नेपाल में सरकार के भ्रष्टाचार और हाल ही में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गए हैं। जेनेरेशन जेड ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। युवाओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कई प्रदर्शनकारी संसद भवन में भी घुस गए। सुरक्षा बलों की ओर से जब उन्हें रोकने की कोशिश की गई, तब वे और बेकाबू हो गए और बैरिकेड कूदकर इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान सुरक्षा बलों पर पथराव भी किया गया। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए हल्का लाठी चार्ज किया। आंसू गैस के गोले छोड़े। पानी की बौछार की और कुछ जगहों पर फायरिंग भी की। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में 14 लोगों की मौत हो गई और 42 लोग घायल हो गए। काठमांडू के न्यू बानेश्वर और झापा जिले के दमक में सबसे ज्यादा हालात खराब हैं। द हिमालयन टाइम्स के मुताबिक, न्यू बानेश्वर में हिंसक झड़पों के दौरान गोली लगने से घायल हुए प्रदर्शनकारी ने सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस समय कई घायल व्यक्तियों की पहचान अब भी ज्ञात नहीं है। दमक में प्रदर्शनकारियों ने दमक चौक से नगरपालिका कार्यालय की ओर मार्च किया, जहां उन्होंने नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का पुतला फूंका और कार्यालय के द्वार तोड़ने का प्रयास किया। हालात और न बिगड़ें, इसके लिए सेना को मोर्चे पर उतार दिया गया है। न्यू

बानेश्वर में प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोलीबारी में कुछ प्रदर्शनकारी घायल भी हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए एवरेस्ट अस्पताल, सिविल अस्पताल और आसपास के अन्य अस्पतालों में ले जाया गया है। कार्यकर्ता रोनेश प्रधान ने बताया कि हामी नेपाल संगठन ने प्रदर्शनकारियों को प्राथमिक उपचार प्रदान करने के लिए मैतीघर में एक प्राथमिक चिकित्सा शिविर स्थापित किया है। प्रधान ने कहा, 'मैतीघर में छह से सात लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि ज्यादातर घायल एवरेस्ट अस्पताल में हैं।'हालांकि, घायलों की सटीक संख्या की पुष्टि अब तक नहीं हुई है। बताया गया कि सोमवार सुबह 9 बजे से प्रदर्शनकारी काठमांडू के मैतीघर में एकत्रित होने लगे। हाल के दिनों में 'नेपो किड' और 'नेपो बेबीज' जैसे हैशटैग ऑनलाइन ट्रेंड कर रहे हैं। सरकार की ओर से अपंजीकृत प्लेटफॉर्म्स को ब्लॉक करने के फैसले के बाद इसमें और तेजी आई है। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय के अनुसार, 'हामी नेपाल' ने इस रैली का आयोजन किया था। इसके लिए पूर्व अनुमति ली गई थी। समूह के अध्यक्ष सुधन गुरुंग ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन सरकारी कार्रवाइयों और भ्रष्टाचार के विरोध में था। देश भर में इसी तरह के प्रदर्शन हो रहे हैं।

फेसबुक, व्हाट्सएप और एक्स सहित 26 सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध

स्थानीय प्रशासन ने बाद में ये प्रतिबंधात्मक आदेश राष्ट्रपति भवन, उपराष्ट्रपति आवास और प्रधानमंत्री कार्यालय के आसपास के विभिन्न क्षेत्रों में भी लागू कर दिए। नेपाल सरकार ने अनिवार्य पंजीकरण प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर चार सितंबर को फेसबुक, व्हाट्सएप और एक्स सहित 26 सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार ने अपना रुख स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध उन्हें विनियमित करने के लिए लगाया गया है, लेकिन आम जनता में धारणा यह है कि इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला होगा और सेंसरशिप की नौबत आ सकती है। द हिमालयन टाइम्स के मुताबिक, न्यू बानेश्वर में हिंसक झड़पों के दौरान गोली लगने से घायल हुए प्रदर्शनकारी ने सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा मास्टरस्ट्रोक

आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका का मानदेय बढ़ा-सीएम नीतीश

पटना/ एजेंसी

बिहार की नीतीश कुमार सरकार राज्य विधानसभा चुनाव के पहले सौगातों की झड़ी लगा रही है। अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद आगे बढ़कर आंगनबाड़ी सेविका और आंगनबाड़ी सहायिका के मानदेय को बढ़ाने का एलान किया है। सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बताया कि आंगनबाड़ी सेविका का मानदेय 7 हजार से बढ़ाकर 9 हजार किया जा रहा है। इसी तरह, आंगनबाड़ी सहायिका का मानदेय 4 हजार से बढ़ाकर साढ़े 4 हजार किया जा रहा है। उनके निर्देश पर विभाग इसका प्रस्ताव आगे

बढ़ाएगा। मंगलवार को कैबिनेट में उस प्रस्ताव पर मुहर लग जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को सोशल मीडिया पर कहा कि नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही गर्भवती महिलाओं और बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है। इसके लिए समेकित बाल विकास परियोजना के तहत छह तरह की सेवाएं दी जा रही हैं, जो आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से लाभुकों तक पहुंचाई जाती हैं। इसमें आंगनबाड़ी सेविकाएं और सहायिकाएं अहम भूमिका निभाती हैं। राज्य में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के पोषण एवं जीवन स्तर में सुधार करने में आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनकी इसी भूमिका का सम्मान करते हुये हमलोगों ने उनके मानदेय में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। अब आंगनबाड़ी सेविका का मानदेय 7,000 रूपये से उन्होंने बताया कि इनके योगदान को देखते हुए मानदेय राशि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

बाढ़ से जूझ रहे पंजाब में आज आएंगे पीएम मोदी

चंडीगढ़। पंजाब इन दिनों भीषण बाढ़ की चपेट में है। राज्य के 23 जिलों के करीब 1,996 गांव पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं। अब तक 46 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1.75 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में खड़ी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। इस आपदा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को गुरदासपुर जिले का दौरा करेंगे और स्थिति का जायजा लेने के साथ-साथ प्रभावित लोगों और किसानों से बातचीत करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण रावी, सतलुज और व्यास नदियों में उफान आया है। जिससे पंजाब के कई इलाकों में बाढ़ जैसी गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है।

लूटकर भागने का युग खत्म

मेहुल चोकसी को जल्द ही लाया जा सकता है भारत..

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार यह कह चुके हैं कि जिसने भी देश को लूटा है, उसे लौटाना ही होगा। यह केवल एक राजनीतिक नारा नहीं बल्कि भारत की नई कार्यशैली का प्रतीक बन चुका है। पीएनबी घोटाले का आरोपी मेहुल चोकसी का संभावित प्रत्यर्पण इसी दृष्टि से अहम है। देखा जाये तो देश की न्यायिक प्रक्रिया और कूटनीतिक सक्रियता से यह साफ हो गया है कि अब कोई भी आर्थिक अपराधी यह सोचकर विदेश भाग नहीं सकता कि वह हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा।

पहले ऐसे मामलों में वर्षों की देरी और कानूनी पेचीदगियाँ अपराधियों के पक्ष में चली जाती थीं, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। मोदी सरकार का जोर दो बिंदुओं पर है— अपराधियों को वापस लाना, चाहे इसके लिए अंतरराष्ट्रीय अदालतों का सामना क्यों न करना पड़े। साथ ही देश की हर पाई की वसूली, ताकि जनता का विश्वास बहाल रहे कि उनका धन सुरक्षित है और कोई भ्रष्टाचार से बच नहीं सकता। देखा जाये तो मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण से यह संदेश जाएगा कि भारत अपनी न्यायिक और कूटनीतिक ताकत का इस्तेमाल पूरी दृढ़ता से कर रहा है। यह केवल एक व्यक्ति को सज़ा दिलाने का मामला नहीं है, बल्कि यह विश्वास दिलाने का भी है कि न कोई कानून से ऊपर है। और न कोई इतना शक्तिशाली कि न्याय से बच सके। दरअसल, इस पूरे घटनाक्रम से प्रधानमंत्री मोदी का यह दावा और मजबूत होता है।

कुलगाम में आतंकियों संग मुठभेड़

दो आतंकी ढेर,एक जवान बलिदान और दो घायल...

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच जारी मुठभेड़ में अब तक दो आतंकियों को मार गिराया गया है, जबकि भारतीय सेना का एक जवान बलिदान हो गया है। इस मुठभेड़ में दो अन्य जवान घायल भी हुए हैं। ऑपरेशन अब भी जारी है। तलाशी अभियान के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाब दिया। फायरिंग में एक अफसर के घायल होने की खबर है। इलाके में तलाशी अभियान जारी है। कश्मीर जोन पुलिस के अनुसार, खुफिया जानकारी के आधार पर कुलगाम के गुड्डर जंगल में मुठभेड़ हो रही है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की एसओजी काम पर हैं। तलाशी अभियान के दौरान जंगल में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की है, सुरक्षाबलों ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया है। दोनों तरफ से तेज गोलीबारी हुई। खबर मिली है कि एक अफसर घायल हो गया है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चारपाई पर सो रहा था 3 महीने का मासूम, मां नहाकर लौटी तो उड़ गए होश!

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले से एक ऐसी दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। मछरेहटा इलाके के सूरजपुर गांव में सुबह एक माँ जब नहाकर लौटी तो उसने देखा कि चारपाई पर सो रहा उसका तीन महीने का बेटा गायब है। माँ की एक चीख के बाद जब परिवार वालों ने बच्चे की तलाश शुरू की, तो घर की छत पर रखे पानी के ड्रम में जो मिला, उसे देखकर सभी की रूह कांप गई। गांव के रहने वाले अनुज यादव का तीन महीने का बेटा शिवांश गुरुवार सुबह घर के अंदर चारपाई पर सो रहा था। बच्चे की मां सरिता उसे सुलाकर नहाने चली गईं।

मल्लिकार्जुन का बयान दुर्भाग्यजनक

राहुल गांधी के न्यूज लेटर पर उपमुख्यमंत्री शर्मा बोले-उनकी बातों में है विरोधाभाष...

रायपुर। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि वे इस तरह का बयान कैसे दे सकते हैं?... यह दुर्भाग्यजनक है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'न्यूज लेटर' पर उन्होंने कहा, मैं उन(विपक्ष) सभी लोगों से पूछना चाहता हूं कि वोट चोरी से उनका क्या मतलब है? एक जगह वे (राहुल गांधी) मतदाता सूची में गड़बड़ी की आशंका होने की बात कहते हैं और दूसरी जगह जहां मतदाता सूची में सुधार हो रहा है तो वे उसका विरोध कर रहे हैं। उनकी दोनों ही बातों में विरोधाभास है। इससे पूर्व कबीरधाम जिले में प्रदेश की पांचवीं क्षेत्रीय विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन करते हुए शर्मा ने कहा कि इससे कई वारदातों को सुलझाने में मदद मिलेगी। कबीरधाम में स्थापित इस अत्याधुनिक फोरेंसिक प्रयोगशाला के माध्यम से अब हत्या, डकैती, बलात्कार, साइबर क्राइम, नशीले पदार्थों की तस्करी और आर्थिक अपराधों को सुलझाने में मदद मिलेगी। गंभीर मामलों की जांच वैज्ञानिक पद्धति से और तेजी से हो

सकेगी। उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला में मौजूद उच्च तकनीकों से डीएनए, खून, बाल, फिंगर प्रिंट, हथियार, बारूद, रेशे और नशीले पदार्थों की गहराई से जांच की जा सकेगी। इससे पुलिस विवेचकों को रिपोर्ट प्राप्त करने में होने वाली देरी खत्म होगी। वहीं अदालतों में समय पर रिपोर्ट पेश कर दोषियों को जल्द सजा दिलाना संभव हो सकेगा। राज्य में कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए वैज्ञानिक सोच को अपनाना समय की मांग है। हमने राज्य की सभी प्रयोगशालाओं को अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया है ताकि न्यायिक प्रक्रिया तेज और पारदर्शी हो सके। शर्मा ने बताया कि अब राज्य की प्रयोगशालाएं केवल पुलिस विभाग तक सीमित नहीं रहेंगी। ये आबकारी, वन विभाग केंद्रीय एजेंसियों के मामलों की जांच में भी सहयोग करेंगी।

आत्मनिर्भर भारत की ओर एक और कदम

सांसद अपने क्षेत्र में स्वदेशी मेला लगवाएं,पीएम बोले व्यापारियों से जीएसटी में कटौती की चर्चा भी करें....

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजग सांसदों से भारत में बने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी मेला आयोजित करने और जीएसटी दरों में कटौती पर व्यापारियों से मिलने को कहा है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी सुधारों पर एक बैठक में एनडीए सांसदों से कहा कि वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में 20-30 व्यापारी सम्मेलन आयोजित करें ताकि व्यापारियों और दुकानदारों को जीएसटी के लाभों और सुधारों के बारे में शिक्षित किया जा सके। मोदी ने कहा कि नवरात्रि से दिवाली तक, भारतीय उत्पादों को बढ़ावा देने और लोगों को 'मेड इन इंडिया' उत्पाद खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु 'स्वदेशी मेलों' का आयोजन करें। प्रत्येक सांसद को अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक क्षेत्र में एक प्रदर्शनी आयोजित करनी चाहिए। थीम: गर्व से कहो ये स्वदेशी है - स्थानीय कारीगरों, सूक्ष्म और लघु उद्योगों और स्वदेशी उत्पादों का प्रदर्शन करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैठक में एनडीए नेताओं से स्वदेशी और जीएसटी सुधारों पर ज़ोर देने का आग्रह किया। उन्होंने सांसदों से नवरात्रि से दिवाली तक स्वदेशी मेले आयोजित करने और उन्हें प्रोत्साहित करने

का आग्रह किया। इससे पहले नरेन्द्र मोदी ने शिक्षकों एवं छात्रों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाने और 'मेक इन इंडिया' एवं 'वोकल फॉर लोकल' पहल को तेज करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं के साथ संवाद में कहा कि स्कूलों को स्वदेशी दिवस या स्वदेशी सप्ताह जैसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैं आपको स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन के लिए अभियान चलाने का एक गृहकार्य दे सकता हूं। छात्रों को घर से स्वदेशी उत्पाद लेकर आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और फिर उन पर चर्चा हो। छात्र स्वदेशी उत्पादों के समर्थन वाले पोस्टर लेकर गांवों में मार्च भी निकाल सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से एक माहौल बनेगा और लोग मेड इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल उत्पादों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित होंगे। उन्होंने प्रत्येक घर और दुकान के बाहर स्वदेशी उत्पादों की मौजूदगी वाले पोस्टर लगाने के सुझाव भी दिए। मोदी ने कहा, हर घर और दुकान के बाहर 'हर घर स्वदेशी' के बोर्ड लगाए जाने चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सुधारों की शृंखला थमने वाली नहीं है। उन्होंने जीएसटी ढांचे में किए गए व्यापक सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि जीएसटी 2.0 राष्ट्र के लिए समर्थन और वृद्धि की 'दोहरी खुराक' है और 21वीं सदी में भारत की प्रगति को ध्यान में रखकर अगली पीढ़ी के ये सुधार किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने क्यों दिया ये फैसला

रेप केस के दोषी को मिलेगा 25लाख का मुआवजा-कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार की उस दोषी को रिहा न करने के लिए कड़ी आलोचना की, जिसने अपनी सात साल की सजा पूरी कर ली थी और जिसके कारण उसे 4.7 साल से ज़्यादा की अतिरिक्त कैद हो गई। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने राज्य की इस चूक पर गंभीर चिंता व्यक्त की और दोषी की बढ़ी हुई कैद के लिए अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया। न्यायालय ने मध्य प्रदेश सरकार को दोषी को 25 लाख रुपये का मुआवज़ा देने का निर्देश दिया। न्यायालय ने इस मामले में राज्य के वकील द्वारा

दायर भ्रामक हलफ़नामों की भी आलोचना की। दोषी को मूल रूप से 2004 में मध्य प्रदेश के एक सत्र न्यायालय द्वारा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376(1), 450 और 560बी के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी, लेकिन 2007 में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने उसकी सजा घटाकर सात साल कर दी थी।

संक्षिप्त समाचार

हेमचंद विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय डॉक्टर संजय तिवारी का सम्मान किया गया

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा।। राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज दुर्ग के द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में हेमचंद विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय डॉक्टर संजय तिवारी जी का सम्मान पुष्प गुच्छ श्रीफल शाल ब्रह्म सम्मान पत्र भेंट कर किया गया इस अवसर पर शहर अध्यक्ष हेमंत तिवारी ने समाज में किए जा रहा है कार्यों की जानकारी दी प्रदेश उपाध्यक्ष सुमित शर्मा ने प्रदेश में समाज के द्वारा जो किया जा रहे कार्यों की जानकारी दी राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत तिवारी ने कहां की शिक्षक ही वह दीपक है जो अज्ञानता के अंधकार को दूर कर समाज और राष्ट्र को ज्ञान का उजाला देते हैं गुरु को स्थान जीवन में सर्वोच्च है क्योंकि वे केवल पढाते ही नहीं हमें जीवन जीने की राह संस्कार और मूल्य भी सिखाते हैं शिक्षक दिवस उनके निस्वार्थ समर्पण अथक प्रयास और मार्गदर्शन को सम्मान देने का अवसर है जो हमें उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर करने में सहायक होते हैं इस सम्मान डॉ विश्वनाथ पाणिग्रही प्रदेश उपाध्यक्ष सुमित शर्मा शहर अध्यक्ष हेमंत तिवारी बृजमोहन तिवारी राकेश दुबे राजेश वाडलियार संजय दुबे रमेश शर्मा अभिषेक अवस्थी उपस्थित थे

काली पट्टी लगाकर कृषि अधिकारियों ने जताया विरोध, 9 सूत्रीय मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन शुरू

मुंगेली(समय दर्शन)छत्तीसगढ़ कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर जिले के सभी कृषि अधिकारियों ने 08 सितंबर 2025 को काली पट्टी लगाकर अपने 9 सूत्रीय मांगों की पूर्ति के लिए चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत की। इस दौरान अधिकारियों ने सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर अपने हक एवं अधिकार के समर्थन में विरोध दर्ज कराया।जिले के तीनों विकासखण्ड—मुंगेली, लोरमी और पथरिया के साथ-साथ जिला स्तर के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होकर समूह फेटो खींचकर सोशल मीडिया के माध्यम से भी अपना विरोध दर्ज कराया।प्रदर्शन के बाद सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने कार्यक्षेत्र के लिए रवाना हुए और किसानों के बीच जाकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करते रहे। अधिकारियों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार एवं विभागीय कार्यों को प्रतिदिन की तरह नियमित रूप से संपादित किया गया।संघ ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होतीं, तब तक यह चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा। इसी क्रम में 09 सितंबर 2025 को भी काली पट्टी लगाकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

बोरसी व पोटिया टंकियो के पाइप लाइन में बड़ा लिकेज रिपेयर कार्य के चलते कल 9 सितंबर मंगलवार को शाम को द्वितीय पाली में पानी सप्लाई नहीं होगा..

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत बोरसी व पोटिया वार्ड की पानी टंकियों में 600 एमएम डाया की राइजिंग पाइप लाइन में लिकेज की समस्या सामने आई है जमीन के अंदर बिछी बड़ी विलयर वॉटर पाइप लाइन में अचानक लिकेज होने से जल आपूर्ति प्रभावित हो रही है जिसके कारण पानी टंकिया भी पर्याप्त भर नही पा रही है जिसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम के जलगृह विभाग द्वारा कल मंगलवार 9सितंबर को सुबह वाटर सप्लाई के बाद वृहत रूप से रिपेयर कार्य किया जाएगा जिसके चलते शाम को द्वितीय पाली का पानी सप्लाई प्रभावित होगा इसी प्रकार बघेरा टंकी में लिकेज सामने आई है जिसके लिए बोरसी पोटिया क्षेत्र के लिकेज मरम्मत कार्य समाप्त होते ही उक्त क्षेत्र में कार्य संपादित की जाएंगे।

महापौर व आयुक्त ने दिया तत्काल समाधान का निर्देश..- महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल और प्रभारी लीना दिनेश देवांगन ने अधिकारियों से मरम्मत कार्य की जानकारी ली और कहा कि नागरिकों को पानी की समस्या से जूझना न पड़े, इसलिए कार्य को प्राथमिकता के साथ जल्द से जल्द पूरा किया जाए साथ ही प्रभावित क्षेत्र में आवश्यकतानुसार टैंकर के माध्यम पानी सप्लाई करे।

बसना विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल ने रमेश अग्रवाल को बनाया श्रीराम जानकी मंदिर समिति बसना का अध्यक्ष

बसना (समय दर्शन)। बसना के हृदय स्थल श्री रामजानकी मंदिर समिति बसना मे मंदिर समिति की बैठक बसना विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति मे सम्पन्न हुआ ।

बैठक मे उपस्थित सभासदों द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि, आगामी बासंती नवरात्र 22 सितम्बर से प्रारंभ होगा, उक्त शक्ति पूजन के कार्यक्रम को श्रद्धा एवं उल्लास के साथ भक्ति भाव से पूर्व वर्षों की भाँति धूमधाम से मनाने चर्चा परिचर्चा की गयी।

बैठक को सम्बोधित करते हुए विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने कहा कि,धर्म की रक्षा के लिए हम सदैव तत्पर रहे है और रहेंगे। श्री रामजानकी मंदिर समिति बसना के उत्तरोत्तर विकास के लिए सकारात्मक कार्य शैली से हम आगे बढ़ रहे हैं । अष्टमी तिथि को श्री राम जानकी मंदिर समिति बसना के

तत्वावधान में आयोजित होने भव्य गरबा महोत्सव एवं 02 अक्तूबर को श्री रा१म जी की भव्य झाँकी,संकट मोचन हनुमान मंदिर कन्या शाला परिसर से दशहरे मैदान तक निकलेगी ,तत्पश्चात रावण दहन होगा।

इस दिन नगर व क्षेत्र वासियों के स्वस्थ मनोरंजन के लिए संस्कृति विभाग से भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम(स्टार नाईट) का आयोजन दशहरा मैदान में रावण दहन पश्चात सांस्कृतिक संध्या सजेगी।

नवनियुक्त समिति अध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने शारदीय नवरात्र के समस्त कार्यक्रम में समिति के सभी सदस्यों एवं हिन्दू समाज से अपील किया है कि, इस शक्ति पूजन कार्यक्रम में सभी सपरिवार बढ़ चड़कर हिस्सा लेवें ।

बैठक मे प्रमुख रूप से विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल,नव मनोनीत अध्यक्ष रमेश अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष अशोक जोशी,सचिव अभय धृतलहरे, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल, सह सचिव निर्मल दास,उपाध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल, संरक्षक आनंद मदनानी, राधेलाल अग्रवाल, सदस्य गण श्याम लाल अग्रवाल, रतनलाल अग्रवाल, बलदेव मिश्रा, रितेश अग्रवाल, अमृत चौधरी, भगतराम वाधवा,डॉ गजानन अग्रवाल, विकास वाधवा, संजय अग्रवाल एवं सदस्य गण उपस्थित रहे।

मानिकपुरी पनिका समाज के द्वारा सम्मान समारोह आयोजित

नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद भार सौंपा गया

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ मानिकपुरी पनिका समाज के द्वारा सम्मान समारोह एवं नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद भार सौंपे जाने का आयोजन प्रमोद गुरु बालापीर जी की समाधि पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

बता दें कि छत्तीसगढ़ मानिकपुरी पनिका समाज का निर्वाचन प्रक्रिया के तहत् चुनाव संपन्न हुआ और भारत दास मानिकपुरी निवासी छरछेद कसडोल प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुने गये। नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद भार सौंपे जाने एवं पूर्व पदाधिकारियों के द्वारा समाज हित में किये गये उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किये जाने का आयोजन रखा गया। सम्मान समारोह प्रदेश संरक्षक अंजोर दास की अध्यक्षता एवं पूर्व प्रदेश संगठन प्रभारी गजानंद दास कुलदीप की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

सम्मान समारोह में उपस्थित समाज के शिक्षक शिक्षिकाओं को डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया वहीं समाज के पूर्व पदाधिकारी जिन्होंने अथक परिश्रम और प्रयास से समाज को विकास की ओर ले जाने में विशेष योगदान दिया उन्हें भी प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह,शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ मानिकपुरी पनिका समाज के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण दास मानिकपुरी एवं लोकनाथ केवड़ा पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष के द्वारा नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष भारत दास मानिकपुरी के प्रतिनिधि प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्णा दास बघेल, श्रीमती वेदमती महंत उपाध्यक्ष महिला को पद भार सौंपा गया।

उक्त अवसर पर मनोज मानिकपुरी, जगदीश दास राजन, तुलसीदास, मोती दास मानिकपुरी, सुमन दास मानिकपुरी, हरिचरण दास ,शरण दास राजन,श्रीमती शांति महंत अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ,गुलाब दास दीवान अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ, निर्मल दास मानिकपुरी, श्रीमती शोभना गोस्वामी, श्रीमती संतोषी मानिकपुरी, श्रीमती किरण मानिकपुरी, सेवक दास दीवान जिलाध्यक्ष महासमुंद,नेमीदास, शत्रुघन दास,खोमन दास मानिकपुरी,अमीर दास,सहित सैकड़ों संख्या में समाज के पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन जीवराखन दास मानिकपुरी ने किया।

श्री महावीर जैन विद्यालय दुर्ग मे गुरुजनों का तिलक एवं डायरी पेन भेट करके सम्मान किया गया

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा।। प्रेस विज्ञप्ति कर योगेश साहू ने बताया कि। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी सेवा के उद्देश्य से आज शिक्षक दिवस के पावन पर्व पर श्री महावीर जैन विद्यालय दुर्ग मे गुरुजनों का तिलक एवं डायरी पेन भेट करके सम्मान किया गया, इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री रामलोचन(राकेश)तिवारी जी ने कहा समाज में सेवा सुरक्षा संस्कार के साथ समरसता अपनत्व का भाव जागृत करने एवं समाज को एकजुट करने का संकल्प लिया गया, हिंदुओं को एक करने का आवान्ह भी किया क्या, *हाल ही में बांग्लादेश पर जो हिंदुओं पर हुए आक्रमण से हमें सीखना चाहिए!

*क्या बांग्लादेश पर न्यायालय नहीं थे !

*क्या बांग्लादेश पर पुलिस व्यवस्था नहीं थी!

*क्या बांग्लादेश पर मीडिया नहीं थी!

*क्या बांग्लादेश पर मानव अधिकार नहीं थे!

*सब रहने के बावजूद बांग्लादेश पर हिंदुओं एवं हिंदू बहन-बेटियों एवं हिन्दू परिवार एवं उनके घर एवं दुकान पर भयंकर अत्याचार हुए!

*सारी कानून व्यवस्था धारी की धरी रह गई ! चुंकि हिंदू समाज को संगठित होकर रहने की सबसे बड़ी आवश्यकता है कार्यक्रम में मुख्य रूप उपस्थित थे! विश्व हिंदू परिषद दुर्ग जिला मंत्री (राकेश)रामलोचन तिवारी जी, मातृशक्ति की विभाग संयोजिका शशि बंछोर जी, विभाग सह सयोंजीका रामेश्वरी साहू जी, दुर्गा वाहिनी विभाग सयोंजीका लक्ष्मी निषाद जी, मातृशक्ति जिला सह सयोंजीका अनु राणा जी, प्रीति तिवारी, दुर्गा वाहनी जिला संयोजिका, नम्रता बंसोड जी, जिला बलोपासना प्रमुख किशन साहू, विश्व हिंदू परिषद नगर अध्यक्ष, श्री सुदीप सनातनी जी, विश्व हिंदू परिषद नगर सह मंत्री भूपेश शर्मा जी, बजरंग दल नगर संयोजक बलदाऊ साहू जी, बजरंग दल नगर सह संयोजक मिलाप निषाद जी, नगर सुरक्षा प्रमुख चमनराज कुंभकार जी, नगर विद्यार्थी प्रमुख वंश राजपूत जी, नगर सह सुरक्षा प्रमुख दीपक साहू, विद्यार्थी सह प्रमुख ऋतिक मार्कण्डेय, लक्की चतुर्वेदी, करतार सिंग, ओमप्रकाश यादव, दीपेश दुबे, यशवंत साहू, अरुण बिंद, प्रकाश बिंद, तारेंद्र साहू, सहित और समारोह का समापन जय श्रीराम के उद्घोष के साथ किया गया, जिसमें आदि समस्त बजरंगी भाई उपस्थित थे..!

पितृपक्ष की शुरुआत पर वृद्धाश्रम पहुंचकर की सेवा, बुजुर्गों को बांटा भोजन और सामग्री

राजनांदगांव। पितृपक्ष के पहले दिन सोमवार को छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा फाउंडेशन, जिला इकाई राजनांदगांव की ओर से सेवा और श्रद्धा का भाव देखने को मिला। समता मंच द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में संस्था के पदाधिकारियों ने पहुंचकर वृद्धजनों को भोजन, मिष्ठान और आवश्यक सामग्री का वितरण किया।

फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष, पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्यों ने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाया। सभी ने बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया और पितरों को याद करते हुए उनके प्रति श्रद्धा प्रकट की।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. गुरप्रीत कौर छाबड़ा ने कहा, पितृपक्ष आत्मिक शुद्धि और पूर्वजों की स्मृति में सेवा करने का समय है। वृद्धजनों की सेवा कर हमें संतोष और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

जिला अध्यक्ष मधुबाला श्रीवास्तव ने कहा, फाउंडेशन समाज के हर वर्ग तक मदद पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। वृद्धाश्रम आकर बुजुर्गों के साथ समय बिताना, एक अलग ही अनुभव रहा।

इस अवसर पर मुख्य रूप से दिव्यांगजन हॉस्पिटल के एडमिन नितिन देवांगन, उपाध्यक्ष डॉ. तरुण रामटेके, जिला उपाध्यक्ष रेणुका साहू, महासचिव रितु रायजादा, सचिव विनोदिनी मारकंडे, अभिषेक श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी अंकित बालाजी श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव, गायत्री जांगड़े सहित बड़ी संख्या में पवऊउंडेशन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी फाउंडेशन के मीडिया प्रभारी अंकित बालाजी श्रीवास्तव ने दी।

सैमसंग ने नए डिजाइन किये गये S पेन और बेहतरीन सैमसंग DeX अनुभव के साथ लॉन्च की गैलेक्सी टैब S11 सीरीज

गुरुग्राम। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज गैलेक्सी टैब S11 अल्ट्रा और गैलेक्सी टैब S11 अल्ट्रा और गैलेक्सी टैब S11 को लॉन्च किया है। ये दोनों टैबलेट अब तक का सबसे इंटेलीजेंट और एडवांस्ड टैबलेट अनुभव देते हैं। गैलेक्सी टैब S11 सीरीज़ चलते-फिरते आसानी से काम करने के लिए बनाई गई है, और इसमें शक्तिशाली हार्डवेयर का बड़ी स्क्रीन के लिए बेहतरीन अनुभवों के साथ संयोजन किया गया है। गैलेक्सी टैब S11 अल्ट्रा अब तक का सबसे पतला गैलेक्सी टैब है। यह परफॉर्मेंस से समझौता किये बगैर एक प्रीमियम टैबलेट का नया अनुभव देता है। गैलेक्सी टैब S11 अल्ट्रा केवल 5.1 mm पतला है, और इसका वजन महज 692 ग्राम है। जबकि इसके पूर्ववर्ती फोन का वजन 718 ग्राम और मोटाई 5.5 mm थी। एडवांस्ड एआई के साथ रोज़मर्रा के कार्यों को शक्ति देना वन यूआई 8 के साथ, गैलेक्सी टैब S11 सीरीज़ मल्टीमॉडल एआई को सबसे आगे लाती है - यह समझता है कि यूजर क्या टाइप करते हैं, बोलते हैं और देखते हैं, और वास्तविक समय में उपयोगी सुझाव देकर जवाब देती है। ये उपकरण किसी भी कार्य में काम करने, रचनात्मकता दिखाने और प्रवाह बनाए रखने का एक अधिक सहज तरीका प्रदान करते हैं। गैलेक्सी टैब S11 सीरीज़ जेमिनी लाइव के साथ आती है जोकि रीयल-टाइम स्क्रीन शेयरिंग और विजुअल इनपुट को इनेबल करता है, ताकि यूजर जेमिनी के साथ स्वाभाविक बातचीत कर सकें कि वे क्या देख रहे हैं। चाहे वह स्क्रीन पर कंटेंट हो या कोई वस्तु जिसे उपयोगकर्ता कैमरे से दिखाना चाहता हो - जेमिनी लाइव संदर्भ आधारित सवालों और रिक्वेस्ट को समझ सकता है। उदाहरण के लिए, क्लास में एक यूजर अपने नोट्स को स्क्रीन शेयर कर सकता है, फिर जेमिनी से चार्ट को समझाने या अध्ययन सामग्री को समझाकर उसका सारांश देने के लिए कह सकता है। साइड बटन को दबाए रखने पर, यूजर जेमिनी को सक्रिय कर सकते हैं और एक ही कमांड के साथ विभिन्न ऐप्स में कार्य कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, जब लंबा लेख पढ़ने का समय न हो, यूजर जेमिनी के साथ लिंक साझा कर सकते हैं और कह सकते हैं, इस लेख का सारांश बनाकर सैमसंग नोट्स में सेव करो, जिससे बाद में उसे ढूंढना आसान हो जाता है। यह जटिल कार्यों को सरल बनाता है ताकि यूजर अपने प्रवाह में बने रहें।

नवाजे गए कृष्णा किड्स वर्ल्ड स्कूल पाटन के शिक्षक

पाटन (समय दर्शन)। कृष्णा किड्स वर्ल्ड स्कूल में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर हमारे विद्यालय में मुख्य अतिथि श्री कृष्णा कुमार भाले जी एवं श्री अभिषेक तिवारी जी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक श्रीमती अनुपमा उपाध्याय जी, विद्यालय के प्राचार्य श्री मयंक कटकवार जी तथा उपप्राचार्या श्रीमती यामिनी साहू जी उपस्थित रहे। इस दिन को हमारे विद्यालय में भारत के महान शिक्षाविद् और द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के सम्मान में हर साल की तरह इस साल भी इस दिन को उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस दिन की शुरुआत सर्वप्रथम मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर उनकी पूजा कर प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर श्रीमती

अनुपमा उपाध्याय जी द्वारा शिक्षकों के सम्मान में कुछ शब्दों का वाचन कर शिक्षक के महत्व से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। तत्पश्चात् प्राचार्य श्री मयंक कटकवार जी द्वारा बच्चों को शिक्षक के कार्यों से अवगत कराकर उन्हें शिक्षक के सम्मान हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की इस कड़ी में छात्रों ने विभिन्न गीत, कविता ,नृत्य के माध्यम से अपने शिक्षकों का व्यक्त किया और उन्हें अनेक अमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद किया। सभी कक्षाओं के छात्रों ने मिलकर शिक्षक दिवस को बड़े उल्लास और समर्पण के साथ मनाया। इस अवसर पर छात्रों ने अपने शिक्षकों को उपहार भी भेंट किया। तत्पश्चात् विद्यालय प्रबंधक द्वारा शिक्षकों को विशेष उपहार भेंट किया गया तथा गैर शिक्षकीय स्टाफ को भी उपहार देकर सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में शिक्षकों के लिए विशेष प्रकार के खेलों का भी आयोजन किया गया जिसमें खुर्सी दौड़ , बुक बैलेंसिंग शामिल था। एवं शिक्षकों द्वारा विभिन्न नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर को सफल बनाने के लिए विद्यालय के सभी शिक्षक एवं सभी दीदी एवं भैया उपस्थित रहे। और उन्होंने अपना विशेष योगदान दिया। इस कार्यक्रम में हमारे विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिका मीना साहू, खुशबू वर्मा , प्रियंका वर्मा , भूमिका वर्मा , जीना साहू , इंदु देवांगन , लक्ष्मी यादव , श्री सोनी , उपासना देवांगन ,मनीष वर्मा , राजेश्वरी , सावित्री बघेल , दीप्ति लहरी , जितेंद्र साहू , राजकुमार साहू , देवेंद्र कुमार , वंदना कुर्रे , किरण वर्मा उपस्थित रहे।

यादव महिला छात्रावास हेतु 30 लाख रुपये एवं सामुदायिक भवनों के लिए 80 लाख रुपये की घोषणा

सरकार की योजनाओं से जुड़ें और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएं: स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव

रायपुर।

स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने आज रिसाली दशहरा मैदान, भिलाई में छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज द्वारा आयोजित विशाल अभिनंदन समारोह में शामिल होकर समाज के विकास हेतु कई घोषणाएं कीं। उन्होंने चार सामुदायिक भवनों के निर्माण के लिए प्रत्येक को 20-20 लाख रुपये, कुल 80 लाख रुपये तथा 5 लाख रुपये की स्वेच्छानुदान राशि देने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने दुर्ग स्थित पचरीपारा में आयोजित सम्मान समारोह में यादव महिला छात्रावास निर्माण हेतु 30 लाख रुपये देने की घोषणा की।

कार्यक्रम में समाजजनों ने पारंपरिक नृत्य-गान के साथ मंत्री श्री यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्हें समाज की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक स्वरूप पारंपरिक वेशभूषा और सजी हुई लाठी भेंट की गई। विभिन्न जिलों से आए यादव समाज के गणमान्य नागरिकों ने उन्हें माल्यार्पण कर अभिनंदन किया।

अपने उद्बोधन में मंत्री श्री यादव ने कहा कि समाज का एक बड़ा वर्ग आज भी आर्थिक रूप से पिछड़ा है, जिसे मुख्यधारा में लाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेकर समाज के लोग आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं से जुड़ें और अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाकर समाज को नई दिशा प्रदान करें।

मंत्री श्री यादव ने इस अवसर पर पाटन सरपंच की मांग पर शासकीय प्राथमिक शाला परेवाडीह के जीर्णोद्धार की भी घोषणा की, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चंद्राकर, झेरिया यादव समाज प्रदेश अध्यक्ष श्री जगनीक यादव, प्रदेश संरक्षक श्री जगतराम यादव एवं श्री सुकालु राम यदु, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री भगत सिंह यादव, रिसाली पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र शेन्डे, प्रदेश सचिव श्री सुंदर लाल यादव सहित समाज के जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

राजस्व मंत्री ने बलौदाबाजार में महतारी सदन निर्माण का भूमिपूजन किया

रायपुर। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने रविवार को बलौदाबाजार जिले के ग्राम पंचायत रवान में महतारी सदन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस भवन का निर्माण 24 लाख 70 हजार रूपए की लागत से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार गांव-गांव में विकास की रोशनी फैला रही है और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए महतारी सदन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षा जायसवाल, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुमन योगेश वर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती शीतल घनश्याम वर्मा, रवान की सरपंच श्रीमती निकिता अक्षय भारती सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विष्णु कैबिनेट की बैठक 9 को

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक 9 सितंबर को दोपहर 3:30 बजे मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित होगी। बैठक खतम होने के बाद कैबिनेट की मीटिंग में क्या कुछ निर्णय लिये गये इसकी जानकारी डिप्टी सीएम अरूण साव मीडिया को देंगे।

रायपुर एम्स से फरार कैदी गिरफ्तार...

रायपुर। हत्या के मामले में सेंट्रल जेल रायपुर में बंद विचाराधीन कैदी करण पोर्ते शनिवार को पुलिस को चकमा देकर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) रायपुर से फरार हो गया था। फरारी की खबर मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाया और अंतत: उसे एक ट्रेन से गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, कैदी के फरार होने के बाद रायपुर पुलिस, दुर्ग पुलिस, जीआरपी (राजकीय रेलवे पुलिस) और आरपीएफ(रेलवे सुरक्षा बल) ने मिलकर त्वरित कार्रवाई शुरू की। रेलवे स्टेशनों पर कड़ी निगरानी रखी गई और सक्रियता के चलते आरोपी को पकड़ने में सफलता मिली। इस अभियान में आईजी आरपीएफ मुन्नवर खुर्शीद, एसएसपी रायपुर लाल उमेद सिंह, एसएसपी दुर्ग विजय अग्रवाल, एसपी जीआरपी श्वेता सिन्हा और रायपुर पुलिस के उपनिरीक्षक मुकेश सोरी सहित कई अधिकारी और जवान शामिल रहे। फिलहाल आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी किस तरह से अस्पताल से फरार हुआ और इसमें किसकी लापरवाही रही।

मंत्री केदार कश्यप पर मारपीट का आरोप, विपक्ष ने की बर्खास्तगी की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सियासत में एक बार फिर से गरमाहट आ गई है। वन एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप पर सर्किट हाउस के कर्मचारी से गाली-गलौज और मारपीट का आरोप लगा है। इस मामले ने तूल पकड़ लिया है और विपक्ष ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार घटना जगदलपुर सर्किट हाउस की है। बताया जा रहा है कि मंत्री कश्यप दौरे से लौटकर पहुंचे तो कर्मचारियों ने समय पर गेट नहीं खोला। इसी बात से नाराज़ होकर मंत्री ने कथित तौर पर कर्मचारियों से अभद्रता की और कमरे में बुलाकर मारपीट की। मामला सामने आने के बाद कांग्रेस ने तीखा रुख अख्तियार किया है। पार्टी ने आज प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में पुतला दहन करने का ऐलान किया है और मुख्यमंत्री से मंत्री कश्यप को तुरंत बर्खास्त करने की मांग की है। पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष संतराम नेताम ने कहा मंत्री कश्यप ने कर्मचारी को न केवल गाली दी बल्कि हाथ भी उठाया। मोदी को गाली देने पर बिहार बंद कराया गया था, तो अब केदार कश्यप को क्यों बचाया जा रहा है? मुख्यमंत्री साय को उन्हें तुरंत बर्खास्त करना चाहिए। वहीं, कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने अपने सहयोगी का बचाव करते हुए कहा कि विपक्ष मंत्री कश्यप को बदनाम करने की साजिश कर रहा है। उन्होंने कहा, केदार कश्यप सुलझे और गंभीर व्यक्ति हैं। कांग्रेस का यह आरोप उनकी गलत मानसिकता का परिचायक है। अब देखना होगा कि इस राजनीतिक विवाद में सरकार क्या रुख अपनाती है और क्या मंत्री कश्यप के खिलाफ कोई कार्रवाई होती है या मामला सियासी बयानबाज़ी तक ही सीमित रह जाता है।

रायपुर में 1 नवंबर से लागू होगी पुलिस कमिश्नर प्रणाली...

बढ़ेंगे IPS अफसरों के अधिकार और जिम्मेदारियां

रायपुर। राज्योत्सव के दिन यानी 1 नवंबर से राजधानी रायपुर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू होने जा रही है। गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय ने इसकी तैयारियां तेज कर दी हैं। देशभर में मौजूद मॉडल्स का अध्ययन कर छत्तीसगढ़ में बेहतर और प्रभावी ड्राफ्ट तैयार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, ओडिशा की पुलिस कमिश्नर प्रणाली को सबसे बेहतरीन मानते हुए उसी तर्ज पर रायपुर में सिस्टम लागू करने की कोशिश की जा रही है।

क्यों जरूरी समझा गया सिस्टम?- राजधानी रायपुर में लगातार बढ़ते अपराधों को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की कैबिनेट ने इस व्यवस्था को मंजूरी दी थी। प्रयास यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगर राज्योत्सव के मौके पर रायपुर आएं तो उनके हाथों इस बड़े सुधार का शुभारंभ हो।

रायपुर में अब 7 IPS संभालेंगे कमान -अभी रायपुर में केवल आईजी और एसएसपी लॉ एंड ऑर्डर देखते हैं। पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू होने के बाद यह संख्या बढ़कर 7 हो जाएगी। इसके अलावा राज्य पुलिस सेवा के दर्जनभर अफसरों की भी पोस्टिंग अपराध नियंत्रण के लिए की जाएगी।

पद संरचना ऐसी होगी

पुलिस कमिश्नर (सीपी) = आमतौर पर एडीजी रैंक का अधिकारी

संयुक्त आयुक्त (ज्वाइंट सीपी) = आईजी रैंक

अपर आयुक्त (एडिशनल सीपी) = डीआईजी रैंक

डिप्टी कमिश्नर (डीसीपी) = एसपी/एसएसपी रैंक

सहायक आयुक्त (एसीपी) = एडिशनल एसपी/डीएसपी रैंक

क्या बदल जाएगा?- पुलिस कमिश्नर को दंडाधिकारी पावर मिलेंगे।

धरना-प्रदर्शन की अनुमति, लाठीचार्ज, धारा 144 लगाने जैसे फैसले सीधे पुलिस ले सकेगी।

शस्त्र और बार लाइसेंस जारी करने का अधिकार भी अब पुलिस के पास होगा।

इससे न केवल अपराध नियंत्रण में तेजी आएगी बल्कि आपात स्थिति में तत्काल फैसले भी लिए जा सकेंगे।

अंग्रेजों के जमाने से चला आ रहा सिस्टम

ब्रिटिश शासन में पहली बार कोलकाता, चेन्नई और मुंबई जैसे बड़े शहरों में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू की गई थी। आजादी के बाद यह सिस्टम

सकल जैन समाज ने 84 लाख जीवायोनि से की क्षमायाचना

रायपुर। जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में श्वेतांबर दिगम्बर परम्परा के पर्युषण पर्व पश्चात सकल जैन समाज ने 84 लाख जीवायोनि से मन वचन काया से क्षमायाचना की व सभी जीवों को क्षमा प्रदान की। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि चारों दादागुरुदेव ने जिनमार्ग में क्षमा को श्रेष्ठ धर्म बताया है। क्षमा मांगना व क्षमा प्रदान करना वीरों का कार्य है और महावीर स्वामी के अनुयायी ही यह कार्य करते हैं। जैन दादाबाड़ी में सैकड़ों भक्तों की उपस्थिति में दादागुरुदेव का जयकारा लगाते हुए बड़ी पूजा का आगाज स्थापना के मंत्रों के साथ किया स्थापना नारियल चावल एवं द्रव्य के समर्पण मंत्र के साथ की गई। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि स्थापना के पश्चात ,बड़ी पूजा का प्रारंभ संगीतमय चोपाई दोहों के साथ सुप्रसिद्ध भजन गायिका मंजू कोठारी ने किया। इसी प्रकार बड़ी पुजा के आठ विधान क्रमश सुप्रसिद्ध गायक वर्धमान चोपड़ा निर्मल पारख , श्रीमती पूनम चोपड़ा द्वारा संगीतमय प्रस्तुतियो एवम भजनों से लगातार 4 घंटे तक मंदिर व दादाबाड़ी प्रांगण में भक्ति रस की गंगा प्रवाहित होती रही।

इस प्रकार अष्ठ प्रकारी पूजा क्रमश, जल,चंदन,पुष्प, धूप, दीप , चावल, नेवेध्य, फल, का दादा गुरुदेव की मूर्ति के सम्मुख समर्पण लाभार्थी परिवारों द्वारा किया गया ,तत्पश्चात , वस्त्र पूजा एवम अंतिम विधान ध्वजपूजन में महिलाओं द्वारा सिर में चांदी की 11 ध्वजा को रखकर कलात्मक मार्बल की छतरी की तीन फेरी देकर शिखर पर ध्वजा विराजमान की गई पूजा का समापन आरती एवम मंगल दीपक के साथ संपन्न हुआ ।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर सुधा सोसाइटी फाउंडेशन का जागरूकता कार्यक्रम

स्कूली बच्चों ने समझा संतुलित आहार तथा स्वस्थ जीवनशैली का महत्व

रायपुर। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह (1 से 7 सितंबर) के अवसर पर सुधा सोसाइटी फाउंडेशन ने 7 सितंबर को सुधा ओपन स्कूल, अमासेओनी में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने भाग लिया और संतुलित आहार तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को समझा।

कार्यक्रम में फाउंडेशन के चेयरमैन जीके भटनागर, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती सुनीता चौधरी, स्वयंसेवक श्रीमती रीमा आचार्य, शिक्षिका श्रीमती भारती और मिस खुशी यादव उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों को पोषण की आवश्यकता और कुपोषण से बचाव पर विस्तार से जानकारी दी।

सत्र के दौरान बच्चों को अंकुरित मूंग, बिस्किट, गुड़, चना और केला जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ वितरित किए गए। यह व्यवस्था सुधा सोसाइटी फाउंडेशन द्वारा सुनीता चौधरी, प्राची अग्रवाल और मौसम अग्रवाल के सहयोग से की गई। बच्चों ने इनका आनंद लिया और स्वस्थ भोजन अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में बच्चों को खासतौर पर फास्ट फूड से परहेज करने और संतुलित आहार अपनाने की सलाह दी गई।

सुधा सोसाइटी फाउंडेशन का कहना है कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में पोषण और स्वस्थ जीवनशैली की अहमियत को उजागर करना है, ताकि आने वाली पीढ़ी स्वस्थ और मजबूत बन सके।

120 छात्राएँ ले रही हैं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण

'नवगुरुकुल' में छात्राओं से मिले वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी

रायपुर।

रायगढ़ जिले के मेहनती और वंचित युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित नवगुरुकुल प्रशिक्षण केंद्र का रविवार को वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने गढ़उमरिया पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही 120 छात्राओं से संवाद किया और अपने जीवन अनुभव साझा करते हुए उन्हें आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने छात्राओं से बातचीत करते हुए अपने बचपन के संघर्षों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि मात्र 8 वर्ष की उम्र में पिता का साया उठ जाने के बाद उन्होंने सरकारी स्कूल से बारहवीं तक की पढ़ाई पूरी की और कठिन परिस्थितियों के बावजूद धैर्य, मेहनत और आत्मविश्वास से सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि जीवन में कठिनाइयों से घबराना नहीं चाहिए। आत्मविश्वास और

सकारात्मक सोच ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है।

उन्होंने आश्वस्त किया कि नवगुरुकुल को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। वर्तमान में 120 छात्राएँ प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, भविष्य में इसे और विस्तारित किया जाएगा। छात्राओं की सफलता इस विस्तार की मजबूत नींव बनेगी। उन्होंने अधिकारियों को प्रशिक्षण में फिटनेस, योग और खेलकूद जैसी गतिविधियाँ शामिल करने का सुझाव दिया, ताकि छात्राओं का शारीरिक और मानसिक विकास समान रूप से हो सके।

वित्त मंत्री ने नवगुरुकुल में छात्राओं के लिए उपलब्ध भोजन, आवास, इंटरनेट, बिजली और पाठ्य सामग्री जैसी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कहा कि यदि किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो छात्राएँ बेहिचक बताएं, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके।

नवगुरुकुल: सशक्तिकरण का नया अवसर

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी के मार्गदर्शन में रायगढ़ में जिला प्रशासन की पहल से संचालित नवगुरुकुल में 120 छात्राओं को नि:शुल्क आवासीय दो वर्षीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भोजन और आवास सहित सभी सुविधाएँ नि:शुल्क उपलब्ध हैं। नवगुरुकुल एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य वंचित युवाओं को गरिमामय करियर दिलाना है। यहाँ छात्राओं को इंजीनियरिंग, प्रोग्रामिंग, डिजिटल मार्केटिंग, बिजनेस आदि क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाता है। प्रशिक्षण के बाद उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिलते हैं और कई पूर्व छात्राएँ आज 12-18 लाख रुपये वार्षिक तक का वेतन कमा रही हैं।

नवगुरुकुल की नेतृत्व टीम में आईआईटी, एनआईटी, सेंट स्टीफेंस कॉलेज और हार्वर्ड जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के पूर्व छात्र शामिल हैं। इस संस्थान ने शिक्षा और पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भी एकीकृत किया है, ताकि छात्राएँ भविष्य की नौकरियों के लिए तैयार हो सकें। वर्तमान में देशभर में नवगुरुकुल के 9 परिसरों में 1,100 से अधिक छात्राएँ अध्ययनरत हैं। रायगढ़ में यह केंद्र जिला प्रशासन के सहयोग से केआईटी कॉलेज परिसर में संचालित हो रहा है, जिससे यहाँ की बालिकाएँ आत्मनिर्भरता और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं।

संपादकीय

बुनियादी ढांचे की कमी महिलाएं ज्यादा असुरक्षित

देश में प्रति दिन औसतन 86 रेप होते हैं। यह संख्या वह है, जो पुलिस के रिकार्ड में दर्ज की जाती है। हर दिन होने वाले ढेरों रेप या रेप के प्रयास, हिंसक छेड़छाड़ और अभद्रता की संख्या का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। राष्ट्रीय वार्षिक महिला सुरक्षा रिपोर्ट व सूचकांक-2025 के अनुसार दिल्ली समेत पटना, जयपुर, कोलकाता, श्रीनगर, रांची व फरीदाबाद महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित हैं जबकि मुंबई, कोहिमा, भुवनेर, विशाखापत्तनम व गंगटोक सबसे सुरक्षित। कोहिमा व अन्य सुरक्षित शहरों में महिलाओं को ज्यादा समानता, नागरिक भागीदारी, बेहतर पुलिस व्यवस्था व अनुकूल बुनियादी ढांचा बताया जा रहा है। यह सव्रेक्षण देश के इक्तीस शहरों की बारह हजार 770 महिलाओं पर किया गया। दस में से छह महिलाओं ने खुद को अपने शहर में सुरक्षित बताया जबकि 40 प्रतिशत ने ज्यादा सुरक्षित नहीं या असुरक्षित माना। करीब 91 प्रतिशत महिलाएं कार्यस्थल पर खुद को सुरक्षित बता रही हैं। 7 प्रतिशत महिलाएं मानती हैं कि सार्वजनिक स्थल पर उन्होंने बीते वर्ष उत्पीड़न झेला। हालांकि हर तीन में से दो महिलाएं उत्पीड़न की शिकायत नहीं करतीं। 29 प्रतिशत सार्वजनिक परिवहन में और 38 प्रतिशत पड़ोस में उत्पीड़न का शिकार होती हैं। जिन शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे की कमी है, वहां महिलाएं ज्यादा असुरक्षित हैं। स्वीकार करना होगा कि असुरक्षित महसूस करने वाली जगहों के नागरिकों की शिक्षा, सोच व संस्थागत जवाबदेही का कमजोर होना प्रमुख कारण हैं। हालांकि सवा अरब की आबादी में पौने तेरह हजार महिलाओं पर अध्ययन नाममात्र ही कहा जाएगा। ऐसे अध्ययनों में कुछ लाख नागरिकों को शामिल किया जाना चाहिए। रस्मादायगी के तौर पर सव्रेक्षण समाज या देश के लिए हितकारी नहीं कहे जा सकते। इनके निष्कषरे के अनुसार कदम उठाए जाने चाहिए। राज्य सरकारों, महिला आयोग जैसी संस्थाओं पर कड़ाई रहनी चाहिए। पितृसत्तात्मक बर्ताव, स्त्री उपेक्षा व लैंगिक विभेद के प्रति नागरिकों को जागरूक करना होगा। आंकड़ों को प्रकाशित/प्रसारित करने भर की रस्म से सुधार संभव नहीं हैं। जमीनी स्तर पर भी गंभीरतापूर्वक काम होना चाहिए। रेप, छेड़छाड़, व्यभिचार को असुरक्षा की स्थिति से अलग नहीं किया जा सकता। सोच और रवैया, दोनों बदलने के साथ ही संबंधित विभागों, पुलिस और प्रशासन को जिम्मेदार बनाना भी जरूरी है।

विकास की पोल

देश के विकास की असली तस्वीर इस बार मानसून में दिल्ली में देखने को मिली है। देश की राजधानी बारिश और यमुना के जलस्तर बढऩे से हाल-बेहाल हो गई। राजधानी की जिंदगी पर ब्रेक लग गया। इससे सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि बारिश से देश के अन्य राज्य कितने हाल-बेहाल होंगे। यह समस्या नई नहीं है। देश में हर साल मानसून के दौरान लगभग सभी राज्यों में यही हाल होता है। विकास का वादा और दावा करने वाली सरकारें और राजनीतिक दल सिर्फ हवाई किले बना कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेते हैं। इसमें कोई भी दल पीछे नहीं है। ऐसे मौकों पर नेता गिरगिट की तरह रंग बदलने लगते हैं और जिम्मेदारी को पूर्ववर्ती सरकारों के पाले में डाल कर बरी हो जाते हैं। बाढ़ और उसके जैसे हालात से साबित हो गया है कि नेताओं को देश के आम लोगों की जिंदगी और मौत की फिक्र नहीं है। यह हालत हुई है देश में वोट बैंक की राजनीति के कारण। इसके कारण अतिक्रमण और प्रकृति से छेड़छाड़ की कीमत हर साल चुकानी पड़ रही है। यह समस्या विकराल होती जा रही है। दिल्ली में यमुना नदी की बाढ़ एक पुरानी समस्या है, जो हर मॉनसून में तबाही मचा देती है। सितंबर के पहले हफ्ते में भारी बारिश और हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से पानी छोडऩे से यमुना का जलस्तर खतरे के पार चला गया। पुरानी दिल्ली रेलवे ब्रिज पर 205 मीटर (खतरे का स्तर) पार कर 207.48 मीटर तक पहुंच गया। इससे 10000 से ज्यादा लोग बेघर हो गए। मयूर विहार, यमुना बाजार, मजनू का टीला जैसे इलाके डूब गए, ट्रैफिक जाम लग गया। पुराने रिकॉर्ड्स के अनुसार, 1956 से पहले यमुना हर साल ट्रांस-यमुना इलाकों को डुबो देती थी। 1978 में सबसे भयानक बाढ़ आई, जब जलस्तर 207.49 मीटर पहुंचा और अलीपुर ब्लॉक, मॉडल टाउन जैसे इलाके डूब गए। इसमें 18 मौतें, 10 करोड़ का नुकसान। उसके बाद 1988, 1995, 1998 में हाई फ्लड्स आए। लेकिन इम्बैंकमेंट (बांध) बनने के बाद भी समस्या बनी रही। 1956 से पहले ऐसा कम होता था, लेकिन अब इम्बैंकमेंट ने जगह कम कर दी। वर्ष 2023 में फ्लडप्लेन अतिक्रमण मुख्य वजह था। नदी का पानी सोखने की क्षमता खत्म हो गई। मलबा डालने से बेड ऊंचा हो गया। यमुना में गाद जमा हो गई और नदी उथली हो गई। दिल्ली सरकार और दिल्ली विकास प्राधिकरण अतिक्रमण रोकने में नाकाम रहे। लोगों और बिल्डर्स ने फ्लडप्लेन पर अवैध कॉलोनियां बना ली। साल 2023 के बाद भी फ्लडप्लेन पर निर्माण, ड्रेन क्लीनिंग और डिसिल्टिंग का इंतजाम नहीं किया गया। केंद्र सरकार (जल शक्ति मंत्रालय) बैराज ऑपरेशन में समन्वय की कमी बाढ़ की हालात का बड़ा कारण रहा। देश में बाढ़ के हालात को लेकर सरकारें नींद में गाफिल हैं। सुप्रीम कोर्ट सरकारों को जगाने का प्रयास कर रहा है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड समेत उत्तर भारत के कई राज्य बीते कुछ दिनों से बाढ़ की चपेट में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर भारत के बाढ़ प्रभावित राज्यों में अवैध पेड़ कटाई के प्रथम दृष्टया प्रमाण पर चिंता जताई है। कोर्ट ने पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की सरकारों को तीन सप्ताह में जवाब देने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह ऊपरी पहाड़ी इलाकों में बड़े पैमाने पर पेड़ों की अवैध कटाई का संकेत है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और के. विनोद चंद्रन की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर इसके कारणों का पता लगाएं।

श्रद्धा से जुड़ती है आत्मा - पितृ पक्ष का संदेश !

हमारी भारतीय संस्कृति दुनिया की सबसे प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं में से एक मानी जाती है। इसमें धर्म, दर्शन, जीवन मूल्य, सामाजिक संरचना, पारिवारिक संबंध और प्रकृति के प्रति श्रद्धा का विशेष स्थान है। भारतीय समाज में परिवार और पूर्वजों के प्रति आदर और कृतज्ञता को बहुत महत्व दिया जाता है। इन्हीं मूल्यों का प्रतिबिंब हमें श्राद्ध(पितृ पक्ष) जैसे अनुष्ठानों में स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि हिंदू धर्म में देवी-देवताओं की पूजा जितनी महत्वपूर्ण मानी जाती है, उतनी ही श्रद्धा पूर्वजों यानी पितरों की आराधना को भी दी जाती है। ऐसा माना जाता है कि पितर हमारे जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। हर साल श्राद्ध पक्ष या पितृ पक्ष के 16 दिनों के दौरान, पितृलोक से पितर धरती पर अपने वंशजों से तर्पण और श्रद्धा की अपेक्षा लेकर आते हैं। इस दौरान श्राद्ध, तर्पण और दान के माध्यम से उन्हें संतुष्ट किया जाता है, जिससे उनकी आत्मा को शांति मिलती है और वे आशीर्वाद स्वरूप अपने वंशजों को उन्नति का वरदान देते हैं। पाठक जानते होंगे कि इस साल पितृ पक्ष(श्राद्ध पक्ष) की शुरुआत 7 सितंबर 2025, रविवार से हो चुकी है। इस दिन पूर्णिमा श्राद्ध मनाया जाएगा तो वहीं पितृ पक्ष का पहला श्राद्ध यानी प्रतिपदा श्राद्ध 8 सितंबर को पड़ेगा और महालया श्राद्ध 21 सितंबर(सर्व पितृ अमावस्या) को रहेगा। पाठकों को बताता चलूं कि हर साल भाद्रपद मास की पूर्णिमा से अश्विन मास की अमावस्या तक 16 दिनों का यह काल पितरों को समर्पित होता है। ज्योतिष शास्त्र में इसे कनागत भी कहा जाता है, क्योंकि इस समय सूर्य कन्या राशि में संचार करते हैं। इस वर्ष पितृ पक्ष 15 दिन का होगा।पंचांग के अनुसार आश्विन मास के कृष्ण पक्ष को पितृपक्ष माना जाता है, पर इसका आरम्भ भाद्रपद पूर्णिमा से ही होता है।वास्तव में, श्राद्ध एक धार्मिक अनुष्ठान है जो विशेष रूप से पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए किया जाता है। यह हिन्दू धर्म की परंपरा है, जिसमें पितरों के प्रति श्रद्धा (श्रद्धा भाव) प्रकट कर उन्हें तर्पण, भोजन, दान और प्रार्थना अर्पित की जाती है। दूसरे शब्दों में कहें तो पितृ पक्ष में हमारे पूर्वज

धरती पर आते हैं और अपने वंशजों से तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध स्वीकार करते हैं। पितृ वास्तव में श्रद्धा के भूखे होते हैं, इसलिए इन दिनों पूरी निष्ठा से अर्पण करना चाहिए। तामसिक आहार, विवाद, क्रोध और अपमान से बचना चाहिए तथा सात्विक आचरण के साथ पितरों का स्मरण करना चाहिए। जानकारी के अनुसार पितृ पक्ष में प्रतिदिन स्नान के बाद दक्षिण दिशा की ओर मुख करके पितरों को जल अर्घ्य देना चाहिए और जीवन के मंगल की प्रार्थना करनी चाहिए। वास्तव में, जल का तर्पण अत्यंत फलदायी माना गया है। कहते हैं कि श्रद्धापूर्वक किए गए श्रद्ध से पितृ प्रसन्न होकर वंशजों को सुख-समृद्धि और मंगल का आशीर्वाद देते हैं। श्राद्ध पक्ष में सूर्योदय से पहले उठकर स्नान कर श्वेत वस्त्र धारण करने चाहिए तथा घर को गंगाजल से शुद्ध करना चाहिए। पिंडदान (यदि संभव हो) चावल, तिल, घी, शहद और दूध से पिंड बनाकर पितरों को अर्पित करना चाहिए। पाठकों को बताता चलूं कि पितृ पक्ष में पिंडदान में अन्न का विशेष महत्व है। पिंडों में चावल, जौ, तिल और शहद का प्रयोग किया जाता है। कहा जाता है कि ये तत्व पंचमहाभूतों से संबंधित हैं और आत्मा को स्थिरता प्रदान करते हैं।ज्योतिष में माना जाता है कि यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में पितृ दोष है, तो उसके जीवन में मानसिक तनाव, विवाह में विलंब, संतान सुख में बाधा या आर्थिक परेशानियाँ आ सकती हैं। श्राद्ध कर्म से इसे दूर करने की परंपरा है। पितृ तर्पण के लिए तांबे/पीतल के पात्र में जल, काले तिल, कुश, अक्षत और फूल डालने चाहिए और दक्षिण दिशा की ओर मुख करके, कुश हाथ में लेकर जल अर्पित करना चाहिए।' ? पितृदेवाय नम:' कहते हुए तर्पण करना चाहिए।पितृ मंत्र का जैसे ' ? पितृभ्य: स्वधा नम:' का जप करना चाहिए तथा पितरों से क्षमा प्रार्थना करनी चाहिए। पाठकों को बताता चलूं कि पितृपक्ष में मांस-मदिरा, प्याज-लहसुन का प्रयोग वर्जित माना जाता है तथा किसी भी शुभ कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश आदि का आयोजन नहीं किया जाना चाहिए। पितृ पक्ष के दौरान ब्राह्मण को भोजन कराकर दक्षिणा देनी चाहिए तथा भोजन का कुछ भाग कौवे, कुत्ते और गाय को अर्पित करना चाहिए। पाठकों को बताता चलूं कि कौवे को पितरों का प्रतीक माना गया है। कहा जाता है कि यदि कौवा भोजन स्वीकार कर ले, तो इसका अर्थ है कि पितरों ने तृप्ति प्राप्त कर ली है। दान विशेष रूप से अन्न, वस्त्र, तिल, घी और जल का होता है। माना जाता है कि यह दान पितरों तक सीधे पहुँचता है और उनके लिए शुभ फल प्रदान करता है। कहा गया है कि यह समय(पितृ पक्ष) व्यक्ति को अपने कर्मों का विश्लेषण कर जीवन की दिशा सुधारने का अवसर देता है। सच तो यह है कि पितृ पक्ष आत्म-चिंतन का भी समय है?। बहरहाल, श्राद्ध के उद्देश्यों की यदि हम यहां पर बात करें तो यह हमारे पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता, आध्यात्मिक शांति, परिवार की एकता,धार्मिक अनुशासन और हमारी सामाजिक परंपराओं को निभाकर समाज में सांस्कृतिक निरंतरता बनाए रखने पर अपना ध्यान केंद्रित करता है। हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में पितरों का आशीर्वाद वंश के सुख-समृद्धि का कारण माना जाता है। कहते हैं कि श्राद्ध से मन व आत्मा की शुद्धि और पुण्य की प्राप्ति होती है। दान और अन्न अर्पण से पितरों की आत्मा संतुष्ट होकर परिवार का कल्याण करती है। वास्तव में, यह अनुष्ठान मृत्यु के दुख को आध्यात्मिक दृष्टि से स्वीकार कर जीवन में संतुलन बनाने में मदद करता है। श्राद्ध यह सिखाता है कि जीवन केवल व्यक्तिगत अस्तित्व नहीं है, बल्कि हम अपने पूर्वजों की विरासत का हिस्सा हैं। यह केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं है, बल्कि यह जीवन के गहरे दार्शनिक अर्थ जीवन और मृत्यु का स्वीकार, आत्मा की यात्रा का सम्मान,परंपरा के प्रति निष्ठा, सेवा और समर्पण का भाव आदि को उजागर करता है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि इस बार पितृ पक्ष की शुरुआत एक खास खगोलीय घटना के साथ हुई है। साल का अंतिम चंद्र ग्रहण भी ठीक उसी दिन पड़ रहा है, यानी 7 सितंबर को। यह एक पूर्ण चंद्र ग्रहण था, जो भारत सहित कई देशों में साफ़ दिखाई दिया। ऐसे में यह संयोग धार्मिक, ज्योतिषीय और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण बन गया। अंत में, यही कहूंगा कि पितृ पक्ष केवल एक धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं है, बल्कि जीवन का ऐसा पर्व है जो हमें अपने अतीत से जोड़ता है। यह हमारे अंदर कृतज्ञता का भाव जगाता है, परिवार की परंपरा और संस्कार को सुदृढ़ करता है, और आत्मा की शांति का मार्ग प्रदान करता है। यह पर्व स्मरण, सेवा, दान और आत्मचिंतन का समग्र साधन है।

भारत नियति के द्वार पर खड़ा

श्रुति व्यास

लंदन के द इकॉनोमिस्ट ने ठिक लिखा कि यदि अमेरिका भारत को अलग-थलग करता है, तो यह उसकी ऐतिहासिक भूल होगी। जबकि भारत के लिए अपनी सुपरपावर बनने की दावेदारी को परखने का यह मौका है। पहली नज़र में वाक्य सुकून देता है — जैसे अमेरिका ग़लती करेगा अगर डगमगाया, और भारत नियति के द्वार पर खड़ा है। पर ध्यान से सुनें तो यह तारीफ़ नहीं, टालमटोल है। सुपरपावर-इन-वेटिंग यानी अभी नहीं। याकि महज नारे जिनमें जान नहीं, प्रदर्शन जिसमें ताक़त नहीं। एंकर की तरह तीन शब्द हमें बाँध देते हैं। एक ऐसा राष्ट्र जो अपने ही भविष्य की कतार में फँसा है, हिचकिचाहट में अटका है। इतिहास में दर्ज होता है, ताक़त के रूप में नहीं, बल्कि फुटनोट की तरह- इन वेटिंग। यह नहीं कि भारत कभी इंतज़ार में नहीं रहा। मोटामोटी हर प्रधानमंत्री ने ताकत और फुटनोट की खाई को पाटने की कोशिश अपने-अपने ढंग से की है— अपूर्ण रूप से, लेकिन एक निशान छोड़ते हुए। बस आज वह इन-वेटिंग इतना जाहिर, स्पष्ट, इतना चौड़ा हो गया है कि आकांक्षा और आस्था के बीच की दूरी लगभग असंभव लगती है।

आज़ादी के समय नेहरू ने नियति से साक्षात्कार की बात की थी — एक उपनिवेश से आगे बढ़ने का साहस। इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश के निर्माण से लेकर पोखरण तक भारत की ताक़त दिखाई। नरसिंहाराव ने 1991 में बंद अर्थव्यवस्था की दीवार तोड़ी और उदारीकरण की नींव रखी। मनमोहन सिंह ने शांति से न्यूक्लियर डील, स्थिर विकास और वैश्विक बाज़ार में भारत की स्थिति को मज़बूत किया। हर दौर अपूर्ण था, पर आकांक्षा जीवित थी। यह भावना केवल सत्ता गलियारों में नहीं, बल्कि भारत के मध्यमवर्ग की कल्पना में भी थी। फिर आए नरेंद्र मोदी, जिन्होंने आकांक्षा को तमाशे और नारों में लपेट दिया। मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, अमृत काल — नियति की भाषा को नए ज़माने के लिए पैक किया। कुछ समय के लिए लगा कि अब इन वेटिंग ख़त्म होगा, भारत महाशक्तियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होगा। यह स्वप्न स्वर्णिम लगा।

पर सपनों का रंग नहीं होता और न कोई विचारधारा। वे या तो साहसी होते हैं या हिचकिचाए हुए। रूस सोवियत अतीत को पुनर्जीवित करना चाहता है। चीन अपने ही साये से बड़ा होना चाहता है। उनकी आकांक्षा कठोर है, बलिदान से तराशी हुई। भारत की आकांक्षा भावुक है, नारों में ढह जाती है। हम खुद को यह कहकर सांत्वना देते हैं कि हमारी चढ़ाई लोकतांत्रिक होगी, इसलिए श्रेष्ठ होगी। पर बिना त्याग और साहस के, सपने रेटरिक में बदल जाते हैं। पर आज का भारत क्या सपने देखना छोड़ नहीं चुका है?

अपने चारों ओर देखिए। आपका घर, गाड़ी, सड़क, दफ़्तर की मेज़, टिफ़िन का खाना, बैंक का मैसेज — यही है हमारी ज़िंदगी की लय। सुरक्षित, स्थिर, पूर्वानुमेय। यह आरामदायक है, लेकिन आकांक्षाएँ अब सुपरपावर बनने की ऊँचाई पर नहीं, बल्कि मध्यमवर्गीय सुरक्षा की छत पर अटकी हैं — नौकरी, ईएमआई, सालाना छुट्टी। 21वीं सदी में भी हम जीने को महत्वाकांक्षा समझते हैं, स्थिरता को नियति। इसी चुप्पी में छिपा है वह सच, कि भारत अब भी सुपरपावर इन वेटिंग है। नई सदी ने ताक़त का नक्शा बदल दिया है। अब शक्ति का स्रोत न साम्राज्य है, न कच्चा माल, बल्कि मनुष्य की क्षमताएँ और उन्हें संभालने वाला ढाँचा। राष्ट्र नारों से नहीं, बल्कि इस बात से उठते हैं कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, शोध और सड़कों में कितना निवेश करते हैं। प्रतियोगिता अब भूगोल की नहीं, प्रतिभा की है।

इन वेटिंग की कहानी सिर्फ़ नीतिगत कागज़ों या जीडीपी आँकड़ों में नहीं, बल्कि ज़मीनी शहरों में दिखती है — और मुंबई से स्पष्ट कोई दूसरा शहर नहीं है। मगर यहाँ महत्वाकांक्षा और असमानता भयावह आमने-सामने खड़ी हैं। 1970ङ्क80 के दशक में यह शहर हाजी मस्तान, करीम लाला, वरदराजन मुदलियार जैसे अंडरवर्ल्ड डॉनों का था। बाद में दाऊद ने अपराध में वैश्विक हल्लाबनाया। आज दौर बदला है। अब अंबानी और अदानी की तूती हैं। और इन्हें मोदी राज में राष्ट्रवाद की भाषा में आत्मनिर्भर भारत के महानायक कहा जा रहा है। जो उद्यमशीलता पहले गली-मोहल्ले से फलती-बढ़ती थी, वह अब राज्य की चुप्पी और नीति की कृपा से प्रतिमान बन रहे हैं।

नेता सत्ता के लिए निचले स्तर तक गिरा रहे हैं भाषा की गरिमा

योगेंद्र योगी

सत्ता पाने के लिए राजनीति में भाषा निम्न स्तर तक पहुंच गई है। आश्चर्य यह है कि ऐसा करने वाले नेताओं में कोई शर्म-लिहाज नहीं बची है। विकास, भ्रष्टाचार और देश की एकता-अखंडता जैसे मुद्दों पर वोट बैंक बटोरने के लक्ष्य की तुलना में नेताओं को स्तरहीन भाषा का प्रयोग करना सत्ता पाने के लिए ज्यादा आसान लगता है। चुनाव समीप आते ही नेताओं की जुबान बेलगाम हो जाती है। बिहार विधानसभा चुनाव समीप हैं। ऐसे में प्रतिद्वन्दी राजनीति दल किसी भी सूरत में सत्ता पाने चाहते हैं, बेशक इसके लिए भाषा की मर्यादा को ही तार-तार क्यों न करना पड़े।

बिहार के दरभंगा में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी ने नेताओं के भाषा विवाद को नैतिकता के निचले पायदान पर पहुंचा दिया है। अफ्सोसजनक यह है कि राजनीतिक दलों के मुखिया ऐसी हरकतें करने के लिए माफी तक नहीं मांगते। इसके विपरीत दूसरे नेताओं ने कब-कब इस तरह की अमर्यादित और अपमानित करने वाली भाषा का इस्तेमाल किया, इसका बेशर्मी से उदहारण देने लगते हैं। पीएम मोदी के मामले में भी यही तौर-तरीका अपनाया गया।

मौका चुनाव का न हो तब भी नेता सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए ऐसी हरकतें करते रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह गिरावट तेजी से आई है। देश का शायद ही कोई नेता ऐसा हो, जिसने भाषा की गरिमा को छिन्न-भिन्न नहीं किया हो। भाषा के अलावा नेता जुमलों का इस्तेमाल भी सत्ता स्वार्थ के लिए करते रहे हैं। इसकी फेहरिस्त काफी लंबी है। दिल्ली में निर्भया बलात्कार हत्याकांड के बाद आरोपियों को हुई फांसी की सजा पर समाजवादी पार्टी प्रमुख मुलायम सिंह यादव ने एक रैली में कहा था कि जब लड़के और लड़कियों में कोई विवाद होता है तो लड़की बयान देती है कि लड़के ने मेरा

बलात्कार किया। इसके बाद बेचारे लड़के को फांसी की सजा सुना दी जाती है। बलात्कार के लिए फांसी की सजा अनुचित है। लड़कों से गलती हो जाती है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने एक पार्टी कार्यक्रम में जयंती नटराजन को टंच माल कह दिया था। दिग्गी ने एक बार राखी सावंत पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि अरविंद केजरीवाल और राखी सावंत जितना एक्सपोज करने का वादा करते हैं उतना करते नहीं हैं। उनके इस बयान पर राखी न उन्हें सठिया गए हैं, कह कर झिड़का था। शरद यादव शरद यादव महिलाओं पर कई बार अभद्र टिप्पणी की। जेडीयू नेता रहे शरद यादव ने बयान दिया था कि बेटियों की इज्जत से वोट की इज्जत बड़ी है, जिसके बाद सभी तरफ से इसका बयान का खंडन किया गया। महिला आरक्षण विधेयक जब पहली बार संसद में रखा गया था तब शरद यादव ने कहा था कि इस विधेयक के जरिए क्या आप परकटी महिलाओं को सदन में लाना चाहते हैं।

भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था महिलाओं को ऐसा श्रृंगार करना चाहिए, जिससे श्रद्धा पैदा हो, न कि उत्तेजना। कभी कभी महिलाएं ऐसा श्रृंगार करती हैं, जिससे लोग उत्तेजित हो जाते हैं। एक अन्य कार्यक्रम में भाजपा नेता विजयवर्गीय ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर को महिलाओं का शौकीन बताया था। छत्तीसगढ़ के कोरबा से भाजपा सांसद रहे बंसीलाल महतो ने छत्तीसगढ़ के खेल मंत्री भैयालाल राजवाड़े का नाम लेते हुए कहा था कि वो अक्सर बोला करते हैं कि अब बालाओं की जरूरत मुंबई और कलकत्ता से नहीं है, कोरबा की टूरी और छत्तीसगढ़ की लड़कियां टनाटन हो गई हैं। हरियाणा की एक खाप पंचायत के नेता जितेंद्र छत्तर ने कहा था कि मेरे ख्याल से फास्ट फूड खाने से बलात्कार की घटनाएं बढ़ती हैं।

इसी तरह भाजपा नेता सुब्रमण्यन स्वामी ने एक बार प्रियंका गांधी के लिए कहा था कि वह बनारस से चुनाव हार जाएंगी क्योंकि बहुत शराब पीती हैं। नेहरू और लेडी माउंटबेटन के संबंधों पर भी स्वामी विवादित टिप्पणी कर चुके हैं। भाजपा नेता श्रीप्रकाश जायसवाल ने एक बार बयान दिया था कि, नई शादी का मजा ही कुछ और होता है और ये तो सब जानते हैं कि पुरानी बीवी में वो मजा नहीं रहता। गोवा के मुख्यमंत्री और भारत के पूर्व रक्षा मंत्री रहे मनोहर पर्रिकर ने लड़कियों के शराब पीने पर चिंता जाहिर करते हुए कहा था मैं डरने लगा हूं क्योंकि अब तो लड़कियां भी शराब पीने लगी हैं। सहने की क्षमता खत्म हो रही हैं।

वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव में नेताओं की जुबान ने अपने बयानों से देश को शर्मसार कर दिया था। इसको लेकर चुनाव आयोग ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी, आजम खान और मायावती को 72 और 48 घंटों के लिए बैन किया था। गुजरात में हुए विधानसभा चुनाव से पहले कांगेस नेता मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। हालांकि अपने बयान के बाद मणिशंकर अय्यर ने माफी मांग ली थी। गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राहुल गांधी के मंदिरों में बैठने के तरीके और पूजा पर कमेंट किया। बात यहां तक बढ़ी कि राहुल गांधी के गैर-हिंदू से लेकर जनेऊ संस्कार तक को निशाने पर ले लिया गया।

मेरठ में एक कार्यक्रम के भाजपा नेता साक्षी महाराज ने कहा कि देश की आबादी हिंदुओं की वजह से नहीं बढ़ रही है, यह कुछ समुदाय के लोगों की वजह से बढ़ रही है, जो चार पत्नी रखते हैं और 40 बच्चे पैदा करते हैं। भाजपा नेता दयाशंकर सिंह ने बसपा सुप्रीमो मायावती को पर ऐसा बयान दिया था जिसको लेकर उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाना पड़ा था। मायावती पर पार्टी का टिकट बेचने का आरोप लगाते हुए दयाशंकर सिंह ने कहा था कि बदतर चरित्र की आज मायावतीजी हो गई हैं। नेताओं की गंदी होती जुबान और उस पर पार्टी नेतृत्व की तरफ से अंकुश न लगाया जाना समाज के लिए बेहद घातक हो सकता है। सोशल मीडिया के इस दौर में ऐसे आपत्तिजनक बयान तेजी से वायरल होते हैं, जो लोगों की सोच को प्रभावित करते हैं। अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने वाले नेताओं को पार्टी से बर्खास्त कर देना चाहिए। साथ ही यह नियम भी होना चाहिए कि एक पार्टी से निकाले जाने के बाद उसे दूसरे पार्टी की सदस्यता न मिल सके। ऐसा होने से जो नेता अभी अमर्यादित भाषा बोल रहे हैं, उनकी बदजुबानी पूरी तरह बंद हो जाएगी।

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: को ही सिद्ध करती है तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस

तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस में नारियों को सम्मान जनक रूप में प्रस्तुत किया है। जिससे 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:' ही सिद्ध होता है। नारियों के बारे में उनके जो विचार देखने में आते हैं उनमें से कुछ इस प्रकार हैं :-

धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी।
आपद काल परखिए चारी।।

अर्थात धीरज, धर्म, मित्र और पत्नी की परीक्षा अति विपत्ति के समय ही की जा सकती है। इंसान के अच्छे समय में तो उसका हर कोई साथ देता है, जो बुरे समय में आपके साथ रहे वही आपका सच्चा साथी है। उसीके ऊपर आपको सबसे अधिक भरोसा करना चाहिए।

जननी सम जानहिं पर नारी।
तिन्ह के मन सुभ सदन तुम्हारे ।।

अर्थात जो पुरुष अपनी पत्नी के अलावा किसी और स्त्री को अपनी मां सामान समझता है, उसी के हरदय में भगवान का निवास स्थान होता है। जो पुरुष दूसरी नारियों के साथ संबंध बनाते हैं वह पापी होते हैं, उनसे ईश्वर हमेशा दूर रहता है।

मूढ़ तोहि अतिसय अभिमाना ।
नारी सिखावन करसि काना ।।

अर्थात भगवान राम सुग्रीव के बड़े भाई बाली के सामने स्त्री के सम्मान का आदर करते हुए कहते हैं, दुष्ट बाली तुम अज्ञानी पुरुष तो हो ही लेकिन तुमने अपने घमंड में आकर अपनी विद्वान पत्नी की बात भी नहीं मानी और तुम हार गए। मतलब अगर कोई आपको अच्छी बात कह रहा है तो अपने अभिमान को त्यागकर उसे सुनना चाहिए, क्या पता उससे आपका फायदा ही हो जाए।

तुलसी देखि सुबेषु भूलहिं
मूढ़ न चतुर न सुन्दर ।
केकिही पेखु बचन सुधा
सम असन अहि ।।

अर्थात तुलसीदास जी कहते हैं सुन्दर लोगों को देखकर मुर्ख लोग ही नहीं बल्कि चालाक मनुष्य भी धोखा खा जाता है। सुन्दर मोरों को ही देख लीजिए उनकी बोली तो बहुत मीठी है लेकिन वह सांप का सेवन करते हैं। इसका मतलब सुन्दरता के पीछे नहीं भागना चाहिए। चाहे कोई भी हो। तमाम सीमाओं और अंतर्विरोधों के बावजूद तुलसी लोकमानस में रमे हुए कवि हैं। उनका सबसे प्रचलित दोहा जिसे सबने अपने तरीके से तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया। हमेशा विवादों के घेरे में आ जाता है। कई महिला संगठनों ने तो इसका घोर विरोध भी किया।

प्रभु भल कीन्ह मोहि सिख दीन्हीं।
मरजादा पुनि तुम्हरी कीन्हीं।
ढोल गंवार सूद्र पसु नारी।
सकल ताड़ना के अधिकारी।

अर्थात प्रभु ने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी (दंड दिया), किंतु मर्यादा (जीवों का स्वभाव) भी आपकी ही बनाई हुई है। ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और स्त्री ये सब शिक्षा के अधिकारी हैं।

कुछ लोग इस चौपाई का अपनी बुद्धि और अतिज्ञान के कारण विपरीत अर्थ निकालकर तुलसी दास जी और रामचरित मानस पर आक्षेप लगाते हुए अक्सर दिख जाते हैं। सामान्य समझ की बात है कि अगर तुलसीदास जी स्त्रियों से द्वेष या घृणा करते तो रामचरित मानस में उन्होंने स्त्री को देवी समान क्यों बताया? और तो और- तुलसीदास जी ने तो-

एक नारिब्रतरत सब झारी।
ते मन बच क्रम पतिहितकारी।

अर्थात, पुरुष के विशेषाधिकारों को न मानकर दोनों को समान रूप से एक ही व्रत पालने का आदेश दिया है। साथ ही सीता जी की परम आदर्शवादी महिला एवं उनकी नैतिकता का चित्रण, उर्मिला के विरह और त्याग का चित्रण यहां तक कि लंका से मंदोदरी और त्रिजटा का चित्रण भी सकारात्मक ही है। सिर्फ इतना ही नहीं सुरसा जैसी राक्षसी को भी हनुमान द्वारा माता कहना, कैकेई और मंथरा भी तब सहानुभूति का पात्र हो जाती हैं जब उन्हें अपनी गलती का पश्चाताप होता है ऐसे में तुलसीदासजी के शब्द का अर्थ स्त्री को पीटना अथवा प्रताड़ित करना है ऐसा तो आसानी से हजम नहीं होता। इस बात का भी ध्यान रखना आवश्यक है कि तुलसीदास जी शूद्रों के विषय में तो कदापि ऐसा लिख ही नहीं सकते क्योंकि उनके प्रिय राम द्वारा शबरी, निषाद, केवट आदि से मिलन के जो उदाहरण है वो तो और कुछ ही दर्शाते हैं।

तुलसीदास जी ने मानस की रचना अवधी में की है और प्रचलित शब्द ज्यादा आए हैं, इसलिए 'ताड़न' शब्द को संस्कृत से ही जोड़कर नहीं देखा जा सकता, राजा दशरथ ने स्त्री के वचनों के कारण ही तो अपने प्राण दे दिए थे। श्री राम ने स्त्री की रक्षा के लिए रावण से युद्ध किया, रामायण के प्रत्येक पात्र द्वारा पूरी रामायण में स्त्रियों का सम्मान किया गया और उन्हें देवी बताया गया। असल में ये चौपाइयां उस समय कही गई है जब समुद्र द्वारा श्रीराम की विनय स्वीकार न करने पर जब श्री राम क्रोधित हो गए और अपने तरकश से बाण निकाला तब समुद्र देव श्रीराम के चरणों मे आए और श्रीराम से क्षमा मांगते हुए अनुनय करते हुए कहने लगे कि- हे प्रभु आपने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी और ये ये लोग विशेष ध्यान रखने यानि, शिक्षा देने के योग्य होते हैं। ताड़ना एक अवधी शब्द है जिसका अर्थ पहचानना परखना या रेकी करना होता है। तुलसीदास जी के कहने का मंतव्य यह है कि अगर हम ढोल के व्यवहार (सुर) को नहीं पहचानते तो, उसे बजाते समय उसकी आवाज कर्कश होगी अतः उससे स्वभाव को जानना आवश्यक है।

इसी तरह गंवार का अर्थ किसी का मजाक उड़ाना नहीं बल्कि उनसे है जो अज्ञानी हैं और उनकी प्रकृति या व्यवहार को जाने बिना उसके साथ जीवन सही से नहीं बिताया जा सकता। इसी तरह पशु और नारी के परिप्रेक्ष में भी वही अर्थ है कि जब तक हम नारी के स्वभाव को नहीं पहचानते उसके साथ जीवन का निर्वाह अच्छी तरह और सुखपूर्वक नहीं हो सकता। इसका सीधा सा भावार्थ यह है कि ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और नारी के व्यवहार को ठीक से समझना चाहिए और उनके किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। परन्तु दुर्भाग्य तुलसीदास जी रचित इस चौपाई को लोग अपने जीवन में भी उतारते हैं और रामचरित मानस को नहीं समझ पाते हैं।

जब नवग्रहों के राजा भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी है एक कथाभगवान शिव कितने भोले हैं यह तो सभी जानते हैं। कभी वह शिवलिंग के ऊपर बंधे घंटे को चोरी करने वाले को अपना भक्त मान लेते हैं। तो कभी पेड़ पर चढ़े शिकारी के यूं ही बेलपत्र तोड़कर नीचे फेंकने को उसकी भक्ति समझ लेते हैं। यही नहीं उससे प्रसन्न होकर वह उसे सर्वस्य दे भी देते हैं। इससे इतर भोले भंडारी को यदि क्रोध आ जाए तो वह कितना विकराल रूप ले लेता है। इसका उदाहरण भी धर्म शास्त्रों में देखने को मिलता है। 18 पुराणों में सबसे प्राचीनतम पुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी ही एक कथा मिलती है जब नवग्रहों के राजाधिराज भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानी?

इसलिए आया था अवढरदानी को गुस्सा

मनुष्य, देवता या फिर दैत्य जो भी भगवान शिव की शरण में पहुंचता है। वह बिना किसी भेदभाव के सभी पर कृपा करते हैं। एक बार दैत्य माली और सुमाली भी उनकी शरण में अपनी पुकार लेकर पहुंचे। वह गंभीर शारीरिक पीड़ा से त्रस्त थे। सूर्य देव की अवहेलना से उन्हें इस व्याधि से भी मुक्ति नहीं मिल रही थी। अपनी करुण पुकार लेकर वह भगवान शिव की शरण में पहुंचे।

तब कश्यप नंदन सूर्य पर शिव ने किया प्रहार

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार भगवान शिव अपनी शरण में आए दैत्य माली-सुमाली की दारुण व्यथा सुनकर अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने कश्यप नंदन सूर्य पर अपने त्रिशूल से प्रहार कर दिया। उस समय संपूर्ण लोकों को प्रकाशित करने वाले सूर्य देव अपने सात घोड़ों के रथ पर विराजमान थे। वह भोलेनाथ का प्रहार सहन नहीं कर पाए और रथ से नीचे गिर कर अचेत हो गए। उनके गिरते ही संपूर्ण सृष्टि अंधकार में डूब गई।

कश्यप ऋषि ने दिया भगवान शिव को शाप

संपूर्ण जगत में अंधियारा होने पर सूर्य देव के पिता कश्यप ऋषि को अपने पुत्र की चिंता हुई। जैसे ही वह भगवान सूर्य के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके पुत्र पर भगवान शिव ने प्रहार किया है। वह क्रोध से आग बबूला हो गए और अपना संयम खो बैठे। आवेश में आकर उन्होंने शिवजी को शाप दे डाला। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज वह अपने पुत्र की हालत पर रो रहे हैं। एक दिन उन्हें भी ऐसे ही दुःखी होना पड़ेगा। वह भी पुत्र कष्ट से रोएंगे।

ऐसे दिया भोले ने सूर्य देव का जीवन दान

कुछ ही क्षणों में जब भगवान शिव का क्रोध शांत हुआ तो उन्होंने देखा कि संपूर्ण सृष्टि में अंधकार होने से हाहाकार मचा है। उन्होंने सूर्य देव को जीवन दान दिया। तभी शिवजी को ऋषि कश्यप के शाप के बारे में पता चला। उन्होंने सभी का त्याग करने का निश्चय किया। यह सुनकर ब्रह्माजी भगवान सूर्य के पास पहुंचे। उन्हें उनके कार्य का दायित्व सौंपा। इसके बाद शिवजी, ब्रह्मा और ऋषि कश्यप सभी ने सूर्य को आशीर्वाद दिया और अपने-अपने स्थान पर वापस चले गए।ये पौधे दूर कर देते हैं लाइफ की सारी टेंशन, मनचाही मुरादें भी करते हैं पूरीमाली-सुमाली की व्याधि भी हुई दूरसूर्य जैसे ही अपनी राशि पर आरूढ़ हुए माली-सुमाली पुनः शारीरिक कष्ट से जूझने लगे। तब ब्रह्मा जी ने स्वयं ही दोनों दैत्यों को सूर्य की उपासना का महत्व समझाया और कहा कि पूरी निष्ठा से उनकी उपासना करें। उनकी कृपा से ही वह पूर्ण रूप से निरोगी होंगे। तब माली-सुमाली ने ब्रह्मा जी के कहे अनुसार सूर्य देव की पूजा- आराधना की। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर सूरज देवता ने उनकी समस्त शारीरिक व्याधियों का अंत कर दिया।

ऐसा क्या हुआ देवी लक्ष्मी ने रुला दिया भगवान विष्णु को

कहते हैं कि जिस भी घर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है वहां सुख-शांति का वास होता है। दांपत्य जीवन भी सुखमय होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इक बार ऐसा भी हुआ कि श्री हरि को भी माता लक्ष्मी की वजह से रोना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानीजब श्री हरि के संग होने की बात कही देवी लक्ष्मी नेपौराणिक कथाओं में जिक्र मिलता है कि एक बार श्री हरि धरती पर भ्रमण के लिए जा रहे थे। तभी देवी लक्ष्मी ने उनके साथ चलने की अनुमति मांगी। कई बार कहने पर भगवान विष्णु ने कहा कि वह साथ चल सकती हैं लेकिन उन्हें एक शर्त माननी होगी। उन्होंने कहा कि धरती पर कैसी भी स्थिति आए लेकिन उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। देवी लक्ष्मी भी भगवान की शर्त मान लेती हैं और साथ चल देती हैं। इस तरह खुद को रोक न सके भगवान और रो पड़ेकथा मिलती है कि जब श्री विष्णु और माता लक्ष्मी पर भ्रमण कर रहे थे। तभी देवी की नजर उत्तर दिशा की ओर पड़ी। उस ओर इतनी हरियाली थी कि वह खुद को रोक न सकीं और सामने दिख रहे बगीचे में चली गईं। इसके बाद उन्होंने उस बाग से एक पुष्प तोड़ लिया और भगवान विष्णु के पास वापस आईं। उन्हें देखते ही श्री हरि रो पड़े। तभी माता लक्ष्मी को उनकी शर्त याद आई। तब भगवान विष्णु ने कहा कि बिना किसी से पूछे उसकी किसी भी वस्तु को छूना अपराध है। लक्ष्मीजी को इस वजह से बनना पड़ा दासीदेवी लक्ष्मी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी। लेकिन श्रीहरि ने कहा कि इस गलती की माफी उस बगीचे का माली ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें उस माली के घर में दासी बनकर रहना होगा। देवी लक्ष्मी ने उसी क्षण गरीब औरत का रूप धारण किया और सीधे उस माली के घर पहुंच गईं। माली ने उनसे कभी खेत में काम करवाया, कभी बगीचे में तो कभी घर में। लेकिन एक दिन उसे पता चला कि वह दासी कोई और नहीं माता लक्ष्मी हैं। तो वह रो पड़ा। किस्मत चमकाने वाली 6 अंगूठी, लोग करते हैं बहुत भरोसा ऐसे दासी बनीं मां लक्ष्मी ने भर दी माली की झोलीकथा के अनुसार माली ने मां लक्ष्मी से क्षमा-याचना की और कहा कि जो कुछ उसने उनसे करवाया वह सब अज्ञानतावश था। इसके लिए वह उसे माफ कर दें। मां लक्ष्मी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो भी वह नियति थी। इसमें उसका कोई दोष नहीं है। लेकिन जिस तरह उसने मां को अपने परिवार का सदस्य समझा। उसके लिए वह उसे आजीवन सुख-समृद्धि का वरदान देती हैं। देवी लक्ष्मी ने कहा कि माली और उसके परिवार के सदस्यों को जीवन में किसी भी तरह का कष्ट नहीं भोगना पड़ेगा। इतना कहकर देवी अंर्तध्यान होकर विष्णु लोक वापस चली गईं।

स्वामी विवेकानंद ने समझाया पाप और पुण्य का अर्थ

यह घटना 1899 की है। उन दिनों कलकत्ता में प्लेग फैला हुआ था। कलकत्ता में शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जिसमें इस रोग का प्रवेश न हुआ हो। प्लेग ने असमय ही अनेक लोगों को मौत की नींद सुला दिया। यह देखकर हर ओर त्राहि-त्राहि मच गई। जिस भी घर का प्राणी मरता, वहां रोने की चीत्कारें गूंजने लगती थीं। सभी परेशान थे।ऐसे में स्वामी विवेकानंद, उनके कई शिष्य स्वयं रोगियों की सेवा करते रहे। वे नगर की गलियां और बाजार साफ करते और जिस घर के मरीज इस बीमारी की चपेट में आ गए थे, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते। तभी कुछ पंडितों की मंडली स्वामी जी के पास आई और बोली, 'स्वामीजी, आप यह ठीक नहीं कर रहे हैं। इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है इसलिए इस महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। आप लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके जाने अनजाने आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं जो अच्छी बात नहीं है।'यह सुनकर स्वामीजी गंभीरता से बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है। ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है। अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो भी हमारे जो सेवक इनकी मदद कर रहे हैं, वे तो पुण्य के भागी बन ही रहे हैं न! बोलिए इस संदर्भ में आपका क्या कहना है?' स्वामीजी की बात सुनकर सभी पंडित भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं, प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के दिए निर्देश

आज जनदर्शन में 59 आवेदन हुए प्राप्त

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को सुना एवं अधिकारियों को जनदर्शन में प्राप्त आवेदन को प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 59 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में विकासखंड बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम ताल देवरी निवासी श्री उमेश खुटे द्वारा बैटरीचलित ट्रायसायकिल दिलाने आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को जाँच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार तहसील अकलतरा अंतर्गत ग्राम भैसतरा श्री धनीराम कश्यप रिकार्ड दुरुस्ती करने, तहसील बलौदा के ग्राम चारपारा निवासी संगीता गोस्वामी मुआवजा राशि दिलाने, ग्राम अंगारखार निवासी भीखम लहरे राशनकार्ड संबंधी, विकासखंड बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम कपिसदा निवासी श्री मनमोहन यादव ने अपने जमीन से बेजा कब्जा हटवाने, श्री सुरेंद्र मनहर पशुशेड निर्माण करवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए मांग एवं समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जनदर्शन में पीएम आवास पेंशन, सहायता राशि दिलाने, सीमांकन कराने सहित अन्य विषयों से संबंधित कुल 59 आवेदन प्राप्त हुए।

शिवसेना (यू.बी.टी.) ने बेसहारा एवं बीमार गायों की समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

मुंगेली(समय दर्शन) शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यू.बी.टी.) की जिला इकाई ने जिले में बढ़ती बेसहारा, घायल एवं बीमार गायों की गंभीर समस्या को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन प्रदेश प्रमुख डॉ. आनंद सिंह मल्होत्रा के निर्देश और जिला अध्यक्ष संतोष साहू के नेतृत्व में सौंपा गया।

सड़कों पर भटक रही गायें बनीं समस्या

प्रतिनिधि मंडल ने प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में गायें खुले में भटक रही हैं। इससे जहाँ एक ओर सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर ट्रैफिक व्यवस्था भी लगातार बाधित हो रही है।इसके अलावा, समय पर चारा-पानी न मिलने से गायें बीमार पड़ रही हैं और कई बार उनकी मौत भी हो जाती है। गोवंश के संरक्षण के नाम पर बनी गौशालाओं की स्थिति भी बेहद चिंताजनक बताई गई, क्योंकि अधिकांश गौशालाएँ या तो अनुपयोगी हैं अथवा उनमें पर्याप्त सुविधाएँ नहीं हैं।

शिवसेना ने रखी ये प्रमुख माँगें

शिवसेना (यू.बी.टी.) ने ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन के सामने निम्नलिखित माँगें रखीं

1. जिले में सभी बेसहारा गायों को सुरक्षित गौशालाओं में पहुँचाने की तत्काल व्यवस्था की जाए।
2. प्रत्येक तहसील में कम से कम एक पूर्ण सुविधायुक्त गौशाला की स्थापना की जाए।
3. गौशालाओं में पर्याप्त चारा, पानी और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।
4. बीमार एवं घायल गायों के लिए विशेष 'गौ रेस्क्यू टीम' का गठन किया जाए।
5. स्थानीय प्रशासन द्वारा नियमित निगरानी एवं रिपोर्टिंग की प्रक्रिया तय की जाए।

कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

जिला अध्यक्ष संतोष साहू ने निवेदन करते हुए कहा कि गोवंश की दयनीय स्थिति को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाए।शिवसेना जिला अध्यक्ष संतोष साहू ने जिला प्रशासन को स्पष्ट अवगत कराते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही इस विषय पर ठोस कार्यवाही नहीं की जाती है, तो जिला स्तर पर चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत की जाएगी। जिसकी सम्पूर्ण जवाबदेही जिला प्रशासन कि होगी।

सहायक शिक्षिका कोनिका को मिलेगा राज्यपाल पुरस्कार, घोषणा के साथ ही बधाइयों का सिलसिला शुरू

डोंगरगांव। नगर की होनहार बेटी और बहू जिन्होंने अपने हुनर के दम पर विभिन्न आयामों हासिल किया और एक छोटे से गांव से निकलकर राज्य स्तर पर अपनी अलग और अमिट छाप छोड़ी है, उनके कर्तव्यनिष्ठ कार्य और अपने काम के प्रति लगन के चलते बहुत ही कम उम्र में राज्यपाल पुरस्कार तक पहुंच गई। बच्चों और स्कूल के लिए समर्पित सहायक शिक्षिका कोनिका सोनी को सत्र 2025-26 में राज्यपाल पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। श्रीमती सोनी ने अपने कार्य कुशलता से ब्लॉक और राज्य के अधिकारियों के समक्ष सकारात्मक छवि प्रस्तुत की है।

ज्ञात हो कि श्रीमती सोनी शहर के जाने माने शिक्षाविद् और चलते फिरते इनसाइक्लोपीडिया के रूप में विख्यात सेवानिवृत्त शिक्षक स्व. एमआर सोनी व सेवानिवृत्त प्रधानपाठक स्व. श्रीमती के. सोनी की पुत्रवधू तथा पत्रकार दिवाकर सोनी की धर्मपत्नी है, इनका पूरा परिवार शिक्षा जगत से जुड़ा है और गुरुजनों के प्रति विशेष सम्मान का भाव रखते हैं।

बात दें कि श्रीमती सोनी जिस स्कूल में रही वहां बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा दी और उन्हें हमेशा आगे बढने के लिए प्रेरित किया। वहीं डोंगरगांव ब्लॉक के चिचदो स्कूल को अपने कल्पना और बच्चों के अनुरूप बनाने के लिए स्कूल के कमरों को रेलगाड़ी के रूप में परिवर्तित कर दिया, जिससे बच्चे स्कूल की ओर आकर्षित हुए। वहीं उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य, सुरक्षा, संस्कार से संबंधित अनेक कार्य किये।

श्रीमती सोनी के कार्य को ग्रामीणों ने खूब सराहा और उनके पढ़ाने के तरीके से बच्चों को भी काफी लाभ हुआ। चाहे बात अनुशासन की हो या खान-पान की, नियमित कक्षा में आने के लिए यहां तक कि शाला त्यागी बच्चों को भी उन्होंने वापास लाने के लिए भरसक प्रयास किया और वे सफल भी हुई, इसके साथ ही उन्होंने चिचदो गांव को पूर्ण साक्षरता की ओर ले गई और

मतदान के लिए भी प्रेरित किया। वर्तमान में श्रीमती सोनी ग्राम अड़ाम के प्राथमिक शाला में सेवा दे रही हैं। वहां भी जाते ही स्कूल के कायाकल्प की सोची और वहां के प्रधानपाठक, शिक्षक साथी व जनप्रतिनिधिगण, ग्राम प्रमुख के सहयोग से पूर्ण करने की ओर अग्रसर हैं। वहीं बच्चों के लिए पुस्तकालय, जादुई पिटारा, बच्चों के पढ़ाई से जोड़ने विभिन्न ड्रेस, कबाड़ से जुगाड़कर बनी शिक्षाप्रद् विभिन्न सामग्री का प्रबंध किया। श्रीमती सोनी विभाग के विभिन्न संस्थाओं में मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण दे चुकी हैं, जिसकी सराहना वरिष्ठ और ज्ञानवान शिक्षकों ने की है।

श्रीमती सोनी को राज्यपाल पुरस्कार 5 सितंबर 2026 को प्राप्त होगा, उनके चयन की घोषणा 5 सितंबर 2025 को आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार सम्मान सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने राज्य के राज्यपाल रमेन डेका व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में की गई है, इसके साथ ही डोंगरगांव ब्लॉक के एक अन्य शिक्षक का भी नाम राज्यपाल पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों में डीएमसी सतीश व्योहारे, एपीसी मनोज कुमार मरकाम, रफीक अंसारी, बीईओ आरएल पात्रे, एबीईओ जयंत साहू, क्षितिज सोरी, बीआरसी अरविंद रत्नाकर सहित शिक्षक साथियों व सामाजिक भाई बंधुओं ने बधाई प्रेषित किया है।

मेरी सफलता का श्रेय ग्राम चिचदो के बच्चों और ग्रामवासियों को देना चाहती हूँ, बच्चों ने मेरे नवाचार को अपने लगन और इच्छा शक्ति से पढ़ाई की दिशा में आगे बढ़े और सफलता में परिणित किया। काम करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन व दिशा-निर्देश के साथ सकारात्मक सहयोग लगातार मिलता रहा है, जिसके बदौलत मैं आज यहां तक पहुंच पाई हूँ। मैं बच्चों और स्कूल के प्रति समर्पित हूं और आगे भी रहूंगी।

कोनिका सोनी, सहा. शिक्षिका अड़ाम, विकासखंड डोंगरगांव।

शिक्षिका कोनिका सोनी का शिक्षण कार्य विगत कई वर्षों से देख रहे हैं, उनके द्वारा शिक्षा के साथ-साथ सभी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जाता है। उनके पढ़ाने के तरीके और नवाचार से बच्चों को काफी लाभ हुआ है। हमारी टीम लगातार निरीक्षण करती है, उनका कार्य संतोषजनक और उत्साहवर्धक है। श्रीमती सोनी को राज्यपाल पुरस्कार मिलने पर मैं बहुत खुश हूं, यह उनकी अद्वितीय प्रतिभा और कड़ी मेहनत का परिणाम है।

सतीश व्योहारे, डीएमसी, शिक्षा विभाग राजनांदगांव।

गणेश विसर्जन में जमकर उड़ा गुलाल, विसर्जन देखने उमड़े सैकड़ों लोग

बिर्रा-: नगर के पटेल मोहल्ला में विराजित भव्य एकमात्र गणेश पंडाल जो नगर में बहुत ही आकर्षण का केंद्र रहा। जिसका सोमवार 8 सितंबर को भगवान श्री गणेश जी की विशेष आरती पूजन कर विसर्जन किया गया। विसर्जन के बाद पटेल मोहल्ला में प्रसाद रुपी महाभंडारा का कार्यक्रम रखा गया था। जिसमें समस्त मोहल्लेवासियों ने महाभंडारा का प्रसाद ग्रहण कर अपने घर की ओर चले। विसर्जन के दौरान लोगों में भारी जोश और उत्साह देखा गया। लोगों ने रंग-बिरंगे गुलाल उड़ाते और भक्तों की भीड़ ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। क्षेत्र में अनंत चर्तुदशी पर शनिवार से ही गणेश विसर्जन का दौर प्रारंभ हो गया था। जो सोमवार शाम तक जारी रहा। हर तरफ' गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस जल्दी आना के जयकारे गूंज रहे थे। बच्चों से लेकर महिलाओं और युवाओं ने मिलकर अपने प्यारे गणपति को विदा करने से पहले उनके कान में अपनी मनोकामना भी कही। ट्रैक्टर ट्राली, सहित निजी व दोपहिया वाहनों से श्रद्धालु गणपति बप्पा को लेकर घनवा सागर के तट पहुंचे जहां पूजा अर्चना के साथ विर्सजन किया गया।

इस अवसर पर आचार्य संजू तिवारी सौखी लाल पटेल,एकांश पटेल, फिरू पटेल,संजय पटेल,जगराम पटेल,भुवनेश्वर,डब्ल्यू,श्यामलाल,मधु बनिया,ननकी,रमेश,रथराम,घनश्याम, गोपाल,शशि1 पटेल,फगुलाल, बूटाऊ,कौशल,सरहू,ठुल्लू,इतवारी,जयक ुमार,सुरेश, खोरवा,फिरत पटेल सहित भारी संख्या में मोहल्लेवासी उपस्थित थे।

अनुशासित विद्यार्थी ही भविष्य में अनुशासित शिक्षक बनता है : डॉ. सुनील महाकालकर

डोंगरगढ़। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में आल्वा फाउंडेशन, नई दिल्ली के तत्वावधान में शिवाजी होटल, माई नगरी डोंगरगढ़ में डाइट खैरागढ़ 2000 बैच के शिक्षकों का मिलन एवं सम्मान समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। समारोह की संपूर्ण व्यवस्था डीएड 2000 बैच खैरागढ़ के शिक्षकों द्वारा की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. सुनील महाकालकर रहे, जबकि अध्यक्षता हेमशंकर जेठमल, चेयरमैन-आल्वा फाउंडेशन ने की। विशेष अतिथि के रूप में वायके तिवारी, प्राचार्य एवं ज्ञानचंद साहू, ग्रुप एडमिनए डीएड खैरागढ़ उपस्थित रहे।

समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन व पूजन के साथ हुआ। तत्पश्चात अतिथियों का पुष्पहार से स्वागत किया गया। इसके बाद विभिन्न जिलों से पधारे शिक्षकों ने अपना परिचय देते हुए प्रशिक्षण के दिनों को याद किया और अपने गुरुजनों के अनुशासन को अपने जीवन में उतारकर एक सफल शिक्षक बनने की प्रेरणा साझा की।

ग्रुप एडमिन ज्ञानचंद साहू ने अपने संबोधन में कहा, 25 वर्षों बाद साथियों से मिलना अविस्मरणीय अनुभव है। डाइट खैरागढ़ में डॉ. महाकालकर द्वारा

दिए गए अनुशासन ने हम सभी को एक सशक्त शिक्षक बनने में मदद की।

विशेष अतिथि वायके तिवारी ने शिक्षक और कलेक्टर की भूमिकाओं की तुलना करते हुए कहा, जहां कलेक्टर प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त होता है, वहीं शिक्षक अपने आने वाले कल को डायरी लेखन और योजनाबद्ध कार्यों से तैयार करता है।

मुख्यातिथि डॉ. सुनील महाकालकर ने इस आयोजन को डाइट 2000 बैच की रजत जयंती की संज्ञा दी और कहा, 25 वर्षों बाद हम सभी का एकत्रित होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। आज आप सब एक जिम्मेदार शिक्षक और परिवार के आदर्श सदस्य हैं, यह देख कर गर्व होता है। कार्यक्रम की सफलता के लिए आप सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

जीवन बीमा सलाहकार पुनाराम सिन्हा ने भी शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को मोमेंटो, पेन व रुमाल भेंटकर सम्मानित किया और अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों को दिया।

कार्यक्रम का सफल संचालन राजेश देवांगन कीरत गुनवीर द्वारा किया गया। आयोजन में डीएड 1998 से 2001 बैच के लगभग 50 शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए। प्रमुख रूप से गांधीराम साहू, सुनील शर्मा, अशोक यादव, रामदास कुंजाम, छबील उइके, सुरेश साहू, शकुन साहू, मोरध्वज सिन्हा, अनिता द्विवेदी, दीपमाला वासनिकर, दुलारी खरे, रागिनी यदु, नीमा रावते, ललिता बंजारे, रुखधन चुरेन्द्र, प्रीति सरले, रोहित भारती सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

हेमशंकर जेठमल द्वारा सभी के लिए भोजन व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का समापन फोटो सेशन के साथ हुआ।

ब्लूएरा: भारत से, भारत के लिए - ऑल-इन-वन स्वदेशी सुपर सोशल मीडिया ऐप

रायपुर: BlueEra - भारत के लोगों के लिए, भारतवासियों द्वारा निर्मित किया गया एक पूर्णत: स्वदेशी बहु-कार्यात्मक सुपर सोशल मीडिया ऐप है। यह मंच व्यापार, रोजगार, सामाजिक संवाद, सुरक्षित चैट और ऑनलाइन सेवाओं को एक ही मंच पर जोड़ते हुए नागरिकों को एकीकृत डिजिटल अनुभव प्रदान करता है। यह केवल एक ऐप नहीं, बल्कि ऐसा माध्यम है जो भारत की डिजिटल शक्ति और आत्मनिर्भरता के आवाहन को मूर्त रूप देता है।

BlueEra का ध्येय है भारत के नागरिकों, विशेषकर छत्तीसगढ़ की जनता को एक ऐसा डिजिटल मंच प्रदान करना जो महिला सशक्तिकरण, आर्थिक स्वावलंबन और स्थानीय व्यापार के पुनर्जीवन में सहायक बने। यह ऐप केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि डिजिटल क्रांति की ओर अग्रसर एक राष्ट्रीय प्रयास है। साथ ही, BlueEra डेटा गोपनीयता और सुरक्षा को सर्वोच्च मानते हुए छत्तीसगढ़ के नागरिकों को विदेशी ऐप्स के जाल से मुक्त कर, एक

भरोसेमंद और पूर्णत: भारतीय विकल्प उपलब्ध कराता है।

इसी विषय पर अपना विचार रखते हुए सह-संस्थापक मनीष शर्मा ने कहा: BlueEra का उद्देश्य है उन फिरंगियों की नीतियों को ध्वस्त करना, जिन्होंने भारतीयों को अपने डिजिटल जाल में फँसाकर हमारे डेटा, हमारे बाज़ार और हमारी मेहनत को अपने मुनाफ़े का साधन बना लिया है। विदेशी ऐप्स हमारी निजता को बेचते हैं, हमारे युवाओं को बहकाते हैं और हमारे स्थानीय व्यापार को निर्भरता की अंधेरी गली में धकेलते हैं। BlueEra इन चालों का उत्तर है— भारत का अपना डिजिटल अस्त्र, जो हर व्यापारी को स्वतंत्र मंच देगा, हर युवा को उसके घर-शहर में सम्मानजनक रोज़गार दिलाएगा और हर नागरिक को यह अटल विश्वास देगा कि उसकी निजता अब केवल उसकी है।

खालसा स्कूल में शिक्षक दिवस पर महापौर अलका बाघमार ने किया शिक्षकों का सम्मान

दुर्ग। शिक्षक दिवस के अवसर पर सोमवार को खालसा स्कूल में नगर निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षकों को स्मृति चिन्ह और शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शिक्षक केवल एक पेशा नहीं बल्कि पवित्र दायित्व है। गुरु ही हमारे जीवन के सच्चे मार्गदर्शक होते हैं, जो हमें शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन और जीवन जीने की सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों को नमन करते हुए कहा कि उनका योगदान समाज और राष्ट्र निर्माण की नींव है। महापौर ने आगे कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार का मिलन ही किसी विद्यार्थी को पूर्ण व्यक्तित्व प्रदान करता है। शिक्षक छात्रों के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और जब विद्यार्थी संस्कारवान बनते हैं, तभी समाज और देश उन्नति की ओर अग्रसर होता है। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य शेखर चंद्राकर, रंजीता पाटिल, अरविंदर खुराना सहित विद्यालय के प्राचार्य, पार्षद, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय टीम का औचक निरीक्षण: कृषि केन्द्रों में अनियमितताओं का खुला भंडाफोड़

पंडरभट्ठा सहकारी समिति को कारण बताओ नोटिस, 2 दिन में जवाब तलब

मुंगेली(समय दर्शन) राज्य स्तर से आई कृषि विभाग की टीम ने मुंगेली जिले के विभिन्न कृषि केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर जिला प्रशासन और स्थानीय कृषि अमले की निष्क्रियता की पोल खोल दी। निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताएँ सामने आईं, जिनमें सबसे प्रमुख अनियमितता सेवा सहकारी समिति पंडरभट्ठा में पाई गई।

कृषि संचालनालय रायपुर के उप संचालक चिरंजीवी सरकार ने स्टॉक मिलान में अनियमितता पाए जाने पर समिति को कारण बताओ नोटिस जारी किया और 2 दिनों के भीतर त्रुटि सुधारने के निर्देश दिए।

राज्य स्तर से निरीक्षण के आदेश- यह कार्रवाई कृषि विभाग रायपुर के संचालक राहुल देव के निर्देश पर की गई। टीम ने विकासखण्ड मुंगेली अंतर्गत सेवा सहकारी समिति पंडरभट्ठा एवं संग्रहण केन्द्र मुंगेली का औचक निरीक्षण कर

व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति जानी।

निष्क्रियता उजागर- निरीक्षण के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि जिला स्तर पर पदस्थ कृषि अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन ईमानदारी से नहीं कर रहे हैं। वर्षों से चल रही अनियमितताओं पर स्थानीय अमला चुप्पी साधे रहा, जिसे अब राज्य स्तरीय निरीक्षण ने उजागर कर दिया है। यह स्थिति न केवल किसानों के हक़ के साथ खिलवाड़ है, बल्कि शासन की योजनाओं पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है।

निरीक्षण में मौजूद अधिकारी- निरीक्षण के समय उप संचालक कृषि मुंगेली एम.आर. तिग्गा, जिला विपणन अधिकारी मनोज यादव, सी.सी.बी. नोडल अधिकारी मुंगेली संतोष सिंह ठाकुर, संयुक्त संचालक कृषि बिलासपुर अशोक सिंह बनाफर, सहायक संचालक कृषि मुंगेली श्रीमती ललिता मरावी, अनुविभागीय अधिकारी मुंगेली सुभाष सोनी, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी के.एल. मनहर, के.पी. घिड़ोरे, जिला उर्वरक निरीक्षक एम.एल. कुर्रे, राजेश साहू तथा ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी डी.के. भास्कर भी मौजूद रहे।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार क्षेत्रीय किसानों में नाराज़गी- स्थानीय किसानों का कहना है कि जिला प्रशासन और कृषि विभाग की लापरवाही के चलते उन्हें समय पर खाद-बीज उपलब्ध नहीं हो पाता। अनियमितताओं और भ्रष्टाचार पर आँख मूँद लेने से किसान लगातार परेशान हो रहे हैं। राज्य स्तरीय निरीक्षण से अब आशा जगी है कि जिम्मेदार अधिकारियों पर ठोस कार्रवाई होगी।

खबर-खास

'गुरूकुल में शिक्षक दिवस पर किया शिक्षकों का सम्मान ''

कवर्धा (समय दर्शन)। गुरुकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा में महान दार्शनिक, कुशल प्रशासक, शिक्षाविद, भारत गणराज्य के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस' के रूप में हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। इस पावन अवसर पर संस्था के समस्त पदाधिकारीगण शाला के प्राचार्य, समस्त शिक्षकार्कि-श्क्षकाएँ व छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। सर्वप्रथम विद्या की देवी माँ सरस्वती व डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैलचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। छात्र-छात्राओं ने मधुर संगीत प्रस्तुत कर सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिए। वहीं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विभिन्न खेलों को दर्शकों ने काफी सराहा। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शाला के छात्र-छात्राओं ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन से संबंधित जानकारी प्रदान किए। प्राचार्य ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की महानता, विद्वता, व उनके प्रेरणादायक प्रसंगो की सारगर्भित जानकारी से सभी को अवगत कराया। शाला के प्राचार्य ने कहा कि शिक्षक एक दीपक की तरह होता है जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। सभी छात्र-छात्राओं को शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए। संस्था के निदेशक ने सभी शिक्षकों से शिक्षक दिवस पर शाला के उत्तरोत्तर प्रगति की कामना व उच्च गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देकर शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम लाने की कामना की। शाला के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। कक्षा बारहवीं के छात्र-छात्राओं द्वारा मनोरंजन हेतु खेल का भी आयोजन किया गया। जिसमें सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया। शाला की छात्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया। संस्था के अध्यक्ष एवं पदाधिकारीगण प्राचार्य सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने शिक्षक दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएँ दी। अंत में कार्यक्रम का समापन राष्ट्र-गान के साथ हुआ।

ग्राम घटकर्रा मे कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

गरियाबंद (समय दर्श न)। ग्राम घटकर्रा के निवासियों द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत ज्ञान सप्ताह का शुभारंभ सोमवार को कलश यात्रा के पश्चात जलयात्रा,देव प्रतिष्ठा और भागवत स्थापना के साथ किया गया। यात्रा में इस यात्रा में ग्राम की महिला श्रद्धालु पीत वस्त्र धारण कर, सिर पर कलश रखे हुए शामिल हुई। विख्यात कथा वाचक आचार्य पं.रामकुमार शर्मा ने कथा का प्रारंभ करते हुए कहा श्रीमद्भागवत कथा जीवन के उद्देश्य और दिशा को दर्शाने वाली दिव्य गाथा है। जहां भी कथा होती है, वहां का समूचा क्षेत्र नकारात्मकता से मुक्त होकर सकारात्मक ऊर्जा से आलोकित हो जाता है। कथा की सार्थकता तभी है जब इसे हम अपने आचरण और व्यवहार में धारण करें। श्रीमद्भागवत कथा में 8 से 16 सितंबर तक सती चरित्र,ध्रुव चरित्र,जड़ भरत कथा, समुद्र मंथन,वामन अवतार श्रीराम,श्री कृष्ण अवतार,रति चरित्र, सुदामा चरित्र, यदुवंशी श्राप,के साथ 16 सितंबर को गीता पाठ,दान पूर्णाहुति, सहस्त्र स्नान और भोजन भंडारा के साथ समापन किया जायेगा।

लुट के मामले में फरार 1 आरोपी को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद। 2 सितम्बर को प्रार्थी डालसिंग सेन पिता चन्द्राहास सेन उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम खुडियाडीह थाना छुरा जिला गरियाबंद छ.ग. ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 2 सितम्बर को ग्राम परसदा घर से अपने पुराना घर ग्राम खुडियाडीह शाम को रास्ते में एक व्यक्ति ने ग्राम परसदा हास्टल हनुमान मंदिर के आगे मुख्य मार्ग में लिफ्ट मांगने के बहाने गाड़ी रोका तो वह व्यक्ति प्रार्थी के गाड़ी के चाबी को खीच कर निकाल लिया और तीन अन्य व्यक्ति जंगल से निकलकर आये और प्रार्थी के टेकनों कंपनी के एक नग मोबाईल को लूट लिये। प्रार्थी के आवेदन पर थाना छुरा द्वारा लूट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।थाना प्रभारी छुरा को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ लोग मोबाईल बेचने के लिए घुम रहे है। मुखबिर सूचना पर छुरा पुलिस द्वारा पूर्व में 3 सितम्बर 2025 के प्रकरण में विधि से संघर्षरत बालक सहित अन्य 3 आरोपीगण को मौके पर गिरफ्तार कर अभिरक्षा में लेते हुए पूछताछ किया गया।प्रकरण में विवेचना दौरान पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान अपने एक अन्य साथी आरोपी लक्ष्मण उर्फ जुगेश्वर साहू का प्रकरण में संलिप्त होना बताया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया कवर्धा में राज्य का पांचवां फॉरेंसिक लैब का शुभारंभ

अब अपराध अनुसंधान में होगा त्वरित वैज्ञानिक सहयोग-विजय शर्मा

कवर्धा (समय दर्शन)। उपमुख्यमंत्री, गृहमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने राज्य के पांचवें फोरेंसिक लैब की बड़ी सौगात देते हुए जिलेवासियों के लिए 6 सितंबर को ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बना दिया। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि इस सुविधा से अपराध अनुसंधान में त्वरित गति से वैज्ञानिक सहयोग मिलेगा और पीड़ितों को जल्दी न्याय मिल सकेगा।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में यह महत्वपूर्ण कदम न केवल कबीरधाम जिले के लिए, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। इस प्रयोगशाला की स्थापना से अपराध जांच की प्रक्रिया और अधिक वैज्ञानिक, पारदर्शी तथा त्वरित होगी, साथ ही न्यायिक कार्यवाही को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। यह प्रयोगशाला आने वाले समय में प्रदेश में अपराध नियंत्रण और न्याय व्यवस्था सुदृढ़ करने में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर पंडरिया की विधायक श्रीमती भावना बोहरा, पूर्व संसदीय सचिव डॉ सियाराम साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष व जिला पंचायत सभापति रामकुमार भट्ट, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती सुषमा गणपत बघेल, विशेष कर्तव्यस्त अधिकारी सुशील द्विवेदी, कलेक्टर गोपाल वर्मा, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र छवई, डॉ. चन्द्रा विशेष रूप से उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि फॉरेंसिक विज्ञान आज आधुनिक अपराध जांच की रीढ़ बन चुका है। हत्या, बलात्कार, लूट, साइबर अपराध, आर्थिक अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे गंभीर मामलों में अब केवल पारंपरिक तरीकों से न्याय पाना संभव नहीं है। आज के दौर में वैज्ञानिक साक्ष्य ही अपराधियों को बेनकाब करने और पीड़ितों को न्याय दिलाने का सबसे सशक्त माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर छोड़ा गया डीएनए का अंश, खून का एक छोटा सा धब्बा, बाल का तंतु, जूतों के निशान, बारूद के कण या फिर डिजिटल उपकरणों में छिपा डेटा, यही सबूत अपराधियों तक हमें पहुंचाते हैं और अदालत में उन्हें कठोर सजा दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस प्रयोगशाला के माध्यम से न केवल अपराधियों पर शिकंजा कसना आसान होगा, बल्कि आम जनता का न्याय व्यवस्था पर भरोसा और भी मजबूत होगा। यह प्रयोगशाला कबीरधाम ही नहीं, पूरे छत्तीसगढ़ के लिए न्याय और सुरक्षा की नई उम्मीद लेकर आई है। आम जनता में कानून के प्रति और विश्वास बढ़ेगा साथ ही न्यायिक प्रक्रिया न केवल तेज होगी बल्कि अधिक पारदर्शी होगी।

पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में और उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा के अथक प्रयासों से प्रदेश में सामाजिक न्याय को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रयोगशाला केवल अपराध जांच की प्रक्रिया को गति नहीं देगी, बल्कि समाज में न्याय और समानता की भावना को और अधिक सशक्त करेगी। वैज्ञानिक तकनीक के इस्तेमाल से निर्दोषों की बेगुनाही शीघ्र सिद्ध होगी और अपराधियों को कठोर दंड मिलेगा।

ई-ऑफिस प्रणाली और बायोमैट्रिक अटेंडेंस पर जिले के अधिकारी-कर्मचारियों को दिया गया ऑनलाईन प्रशिक्षण

सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही फाईलों के प्रचालन के दिए निर्देश

गरियाबंद (समय दर्श न)। जिले में ई-ऑफिस प्रणाली और बायोमैट्रिक अटेंडेंस के सुगम संचालन को ध्यान में रखते हुए आज पुन: ऑनलाईन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिले के अधिकारी एवं उनके अधीनस्थ कर्मचारीगण संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में प्रशिक्षण कार्यशाला में शामिल हुए। प्रशिक्षण में कलेक्टर बी.एस.उइके के निर्देशानुसार अधिकारी-कर्मचारी को गंभीरतापूर्वक प्रशिक्षण की बारीकियों को सिखने के निर्देश दिये गए।साथ ही ई-ऑफिस के अंतर्गत संपादित किये जाने वाले कार्यों के विभिन्न चरणों को भी सीखने के लिए कहा।प्रशिक्षण में समस्त विभागों के अधिकारी कर्मचारियों को ई-ऑफिस संचालन को सरकारी कार्यालयों के दस्तावेजों को पेपरलैस करने पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके अलावा कार्यालयों में बायोमैट्रिक के माध्यम से प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज करने के लिए भी प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही ऑनलाईन अटेंडेंस के कार्यो को गंभीरतापूर्वक संपादित करने के निर्देश दिए गए। इस प्रशिक्षण शिविर में जिला के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर अवंति गुप्ता, एनआईसी के उप निदेशक नेहरू निराला सहित समस्त विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रशिक्षण में बताया गया कि शासन के निर्देशानुसार जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू हो चुकी है। जिले में भी ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय कार्यालयों के अधिकारियों,-कर्मचारियों को पूर्व में भी ई-कार्यालय प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। तकनीकी जानकारियों में वृद्धि करने एवं सही तरीके से फाईलों के ऑनलाईन संपादन के लिए पुन: प्रशिक्षण दिया जा रहा है।इसे अधिकारी कर्मचारी गंभीरतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करें। प्रशिक्षण में एनआईसी के उप निदेशक नेहरू निराला एवं ई-जिला प्रबंधक मिथलेश देवांगन ने अधिकारियों-कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली के तहत विभिन्न प्लेटफार्म के विभिन्न कार्यों तथा उनके उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में ई-ऑफिस का परिचय एवं उपयोग, दस्तावेज़ तैयार करना,अनुमोदन प्रक्रिया,रिपोर्टिंग एवं फाइल ट्रैकिंग,सुरक्षा उपाय एवं गोपनीयता आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि विभागों में कार्यप्रणाली को डिजिटल और कुशल बनाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस प्रशिक्षण दिया गया।जिसमें ई-ऑफिस प्लेटफ़ॉर्म का सही और प्रभावी उपयोग का प्रोसेस सिखाया गया, ताकि कार्यों को डिजिटल रूप से सुव्यवस्थित किया जा सकें।इससे कागजी प्रक्रिया में कमी लायी जा सकेगी। इसका उद्देश्य ई-ऑफिस प्लेटफ़ॉर्म पर दस्तावेजों की डिजिटल ट्रैकिंग एवं प्रसंस्करण, कार्यों में पारदर्शिता और कुशलता, समय की बचत एवं प्रक्रिया की गति में सुधार, कर्मचारियों के बीच बेहतर संवाद और सहयोग स्थापित करना है।

सार्वजनिक खुले मैदानों, सार्वजनिक मार्गों, फुटपाथों, चौराहों और सार्वजनिक खुले स्थानों पर पंडाल या अस्थाई संरचनाओं के निर्माण के लिए लेनी होगी अनुमति

नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा नगरीय निकायों को जारी हुआ निर्देश

गरियाबंद (समय दर्श न)। राज्य शासन ने सार्वजनिक खुले मैदानों, सार्वजनिक मार्गों,फुटपाथों, चौराहों,सार्वजनिक खुले स्थानों आदि पर पंडाल या अस्थाई संरचनाओं के निर्माण की अनुमति के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने इस संबंध में नगरीय निकायों को परिपत्र जारी किया है।इसी तारतम्य में कलेक्टर बी.एस. उईके ने नगर पालिका परिसर गरियाबंद एवं नगर पंचायत राजिम,छुरा,फिंगेश्वर,कोपरा एवं देवभोग के सीएमओ को शासन के आदेशानुसार निर्देशों को पालन करने के निर्देश दिए है। जारी निर्देशानुसार नगरीय क्षेत्रों में स्थित सार्वजनिक खुले मैदानों, सार्वजनिक मार्गों,फुटपाथों, चौराहों, सार्वजनिक खुले स्थानों आदि पर पंडाल या अस्थाई संरचनाओं के निर्माण की अनुमति के संबंध में सड़कों में बाधा के प्रतिषेध हेतु आवश्यक प्रावधान किए जाने का निर्णय लिया गया है। विभाग ने सभी निकायों को परिपत्र में उल्लेखित दिशा-निर्देशों के अनुसार समुचित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।नगरीय प्रशासन विभाग ने एक समय में अधिकतम 500 व्यक्तियों तक के ठहराव एवं 5000 वर्गफीट के स्थान वाले आयोजनों तथा एक समय में 500 से अधिक व्यक्तियों तक के ठहराव एवं 5000 वर्गफीट से अधिक के स्थान वाले आयोजनों के लिए पंडालों,अस्थाई संरचनाओं, धरना,जुलूस,सभा,रैली इत्यादि की अनुमति के लिए अलग-अलग दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने नगरीय निकायों को अलग-अलग तरह की अनुमति के लिए आवेदनों के अलग-अलग प्रारूप भी परिपत्र के साथ प्रेषित किए हैं।विभाग ने आयोजकों के लिए अनुमति की प्रक्रिया,अनुमति हेतु शुल्क, पंडालों,अस्थाई संरचनाओं,धरना,जुलूस,सभा,रैली और शोभायात्राओं की अनुमति के लिए आपातकालीन एवं सामान्य निर्देशों के साथ ही पंडालों की मजबूती,विद्युत व्यवस्था,अग्निशमन, सुरक्षा,साफ-सफाई,अपशिष्ट प्रबंधन,आयोजन समिति के दायित्वों तथा पंडालों में विभिन्न तरह के आयोजनों के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों का संबंधित नगरीय निकायों को कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में जीएसटी सुधार : जगदीश रोहरा

गरियाबंद (समय दर्श न)। आयकर में छूट के बाद केंद्र सरकार ने जीएसटी सुधार लागू कर भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है।इससे उद्योग-व्यापार को बढ़ावा मिलेगा,गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार की बचत बढ़ेगी तथा देश आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक भारत श्रेष्ठ भारत का संकल्प इसी से साकार होगा,,,,,,,धमतरी नगर निगम अध्यक्ष एवं पूर्व प्रदेश महामंत्री जगदीश रोहरा ने गरियाबंद भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि आजादी के बाद 101वां संविधान संशोधन ऐतिहासिक रहा। 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू होने से पूर्व 17 प्रकार के अलग-अलग कर और 13 प्रकार के सेंस वसूल किए जाते थे, जो अब समाप्त हो चुके हैं। नए सुधार के तहत चार स्लैब घटाकर केवल दो स्लैब कर दिए गए हैं,जिससे वस्तुओं के दाम में कमी आई है।उन्होंने कहा कि जीएसटी करदाताओं की संख्या 2015 में 66.50 लाख थी जो 2025 में बढ़कर डेढ़ करोड़ तक पहुंच गई है। कर संग्रह भी दोगुना हुआ है। सुधार से कृषि, उद्योग और बीमा क्षेत्र को लाभ मिलेगा। अपवाद स्वरूप वस्तुओं पर 40 प्रतिशत टैक्स रखा गया है। रोहरा ने बताया कि छत्तीसगढ़ को आर्थिक प्रोत्साहन के रूप में 6200 करोड़ रुपये मिले हैं। पहले राज्यों को 32 प्रतिशत हिस्सा मिलता था, जो अब बढ़कर 42 प्रतिशत हो गया है। विपक्ष पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाई जा रही है और इसे अमेरिका टैरिफया चुनाव से जोड़कर दुष्प्रचार किया जा रहा है। जबकि जीएसटी काउंसिल दो-तिहाई बहुमत से निर्णय लेती है। उन्होंने कहा कि आठ साल बाद भारत उस मुकाम पर पहुंचा है, जब बड़े आर्थिक सुधार संभव हो सके हैं। यह सुधार महंगाई से राहत देने के साथ-साथ प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान करेगा।

कृतज्ञता और उल्लास का संगम शिक्षक दिवस बना अविस्मरणीय

दिल्ली पब्लिक स्कूल कवर्धा में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

कवर्धा (समय दर्शन)। दिल्ली पब्लिक स्कूल कवर्धा में शिक्षक दिवस समारोह बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों ने शिक्षकों का तिलक लगाकर स्वागत के बाद आशीर्वाद लिया।

स्कूल परिसर में 4 सितम्बर 2025 को आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्या श्रीमती ग्रेशिया एन फीग्रेड ने अपने उद्बोधन में शिक्षकों को समाज का वास्तविक पथप्रदर्शक बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही वह शक्ति हैं जो विद्यार्थियों को संस्कार, ज्ञान और चरित्र निर्माण का आधार प्रदान करते हैं। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सदैव अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन का सम्मान करें और उनके बताए पथ पर चलकर सफलता प्राप्त करें। विद्यालय का वातावरण उल्लास, कृतज्ञता और उत्सव की भावना से सराबोर रहा। सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसमें मनमोहक नृत्य-प्रस्तुतियाँ तथा धन्यवाद गीत शामिल रहे, जिन्हें उपस्थित जनों ने खूब सराहा। समारोह की विशेषता यह रही कि विद्यार्थियों ने शिक्षकों के लिए विविध खेल प्रतियोगिताएँ, क्विज़ एवं अन्य रोचक गतिविधियाँ आयोजित कीं, जिनमें शिक्षकों ने पूरे उत्साह से भाग लिया और आनंद प्राप्त किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने प्रिय शिक्षकों को उपहार भेंट किए तथा प्रत्येक शिक्षक को उनकी विशिष्ट खूबियों के आधार पर विशेष सम्मान-बैज पहनाकर सम्मानित किया। यह क्षण सभी के लिए अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मान और स्नेह अर्पित किया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

// ईश्तहार//
प्र.क्र.20259100600003 अ-2
वर्ष 2024-2025

एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका पीलू राम पिता/पति निरभे राम, निवासी- तेलीगुण्डरा तहसील पाटन, जिला दुर्ग(छ.ग.) के द्वारा ग्राम-अखरा, प.ह.न. 35, तहसील पाटन,जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 44/32 रकबा 0.0186 हे0, भूमि पर आवासीय प्रयोजन में डायवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा., संहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को उजर दावा/आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 15/09/2025 न्यायालय में उपस्थित होकर कर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात आवेदन में कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 01/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी (रा0)
पाटन,जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सरायपाली, जिला महासमुन्द

// ईश्तहार//
क्रमांक 2140/क/भू. व्यप / अविअ/2025
सरायपाली दिनांक 03/09/2025

आवेदक सैय्यद अब्दुल हमीद पिता सैय्यद अब्दुल गनी निवासी सरायपाली तहसील सरायपाली जिला महासमुंद के द्वारा ग्राम जोगनीपाली में स्थित भूमि खसरा नंबर 614/2 रकबा 0.08 हे. मे से 0.0400 हे. भूमि को कृषि मद से भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने हेतु बी-1. नक्शा एवं खसरा के बैनामा के साथ आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा आवेदित उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति/दावा प्रस्तुत करना हो तो इस न्यायालय में दिनांक 17/09/2005 तक अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति तक स्वयं या पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सरायपाली

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी निपनिया, जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छत्तीसगढ़)

:: ईश्तहार ::
रा.प्र.क्र.
ब/121 वर्ष 2025
ग्राम पथरिया प.ह.नं. 29

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका गौरी बाई ध्रुव पति श्री ओमप्रकाश ध्रुव जाति गोंड निवासी ग्राम पथरिया प.ह.नं. 29 तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार भाटापारा के द्वारा अपने पुत्र देवेन्द्र ध्रुव पिता श्री ओमप्रकाश ध्रुव माता गौरा बाई ध्रुव का जन्म दिनांक 11/12/2005 (स्थान) ग्राम पथरिया के जन्म का पंजीयन करने हेतु रजिस्ट्रार जन्म/मृत्यु सचिव ग्राम पंचायत पथरिया तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छत्तीसगढ़) को जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं छ.ग. जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत निर्देश देने हेतु शपथपत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र एवं सरपंच प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है तथा दिनांक 2 को सुनवाई हेतु नियत है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो नियत पेशी तारीख 05/09/2025 तक स्वयं या अपने अभिभाषक या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 14/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर सहित जारी किया।

मुहर
कार्यपालिन दण्डाधिकारी
निपनिया (छत्तीसगढ़)

संक्षिप्त-खबर

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा पहुंचे पाटन, नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश भाले के नेतृत्व में भाजपाइयों ने किया जोशीला स्वागत

पाटन (समय दर्शन)। भाजपा के युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनने होने के बाद राहुल योगराज टिकरिहा पहली बार पाटन पहुंचे। श्री टिकरिहा का भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोशीला स्वागत किया। विश्राम गृह में भाजपा कार्यकर्ताओं युवा टीम से चर्चा किया। इस अवसर भाजपा के युवा नेता शुभम शर्मा भी साथ में थे। पार्टी मंडल अध्यक्ष, युवा भाजपा कार्यकर्ताओं से उन्होंने पार्टी का कार्य जो पाटन विधानसभा क्षेत्र में चल रहा है इसकी जानकारी ली ।बता दे कि भाजयुमो अध्यक्ष राहुल आज कंचांदुर गए थे। वहां पर निषाद परिवार के घर में जो भगवा झंडा काण्ड हुआ हुआ था उस परिवार से मुलाकात किया और उसके घर में भगवा झंडा लगाकर वापस हो रहे थे तभी वे पाटन में रुके। ।स्वागत करने वालो में प्रमुख रूप से नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, उपाध्यक्ष निशा सोनी, मंडल अध्यक्ष रानी केशव बंछोर, जनपद पंचायत पाटन उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, राज देवांगन, केवल देवांगन, बाबा वर्मा, सरपंच संतराम कुंभकार, विक्की बंछोर, कुणाल शर्मा, शरद वर्मा, रोशन वर्मा, चंद्र प्रकाश देवांगन, जितेंद्र निर्मलकर, देवेंद्र ठाकुर, सरपंच राजू साहू सहित अन्य मौजूद रहे।

उप समिति परपौड़ी में शिक्षक दिवस पर समाज के शिक्षकों का शाल व श्रीफल भेंट कर किया सम्मानित

साजा (समय दर्श न)। राजपूत क्षत्रिय महासभा छत्तीसगढ़ राहटा दाह के आह्वान पर उप समिति परपौड़ी मे हर्ष उल्लास के साथ शिक्षक दिवस मनाया गया डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष में 5 सितंबर उप समिति परपौड़ी के तत्वाधान में सर्वप्रथम डॉक्टर राधाकृष्णन के तेल चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित श्री गन्नूसिंह गौतम अध्यक्ष व उपस्थित समाज के पदाधिकारी तथा गणमान्य नागरिकों के द्वारा किया गया तत्पश्चात समाज के वर्तमान व निरवर्तमान गुरुजनों का श्रीफ्ल एवं गमछा भेंटकर सम्मानित किया गया डॉक्टर राधाकृष्णन के जीवनी पर समाज के सचिव श्री सुखनंदन सिंह राजपूत के द्वारा विस्तृत जानकारी देते हुए विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला इस अवसर पर उप समिति परपौड़ी के अध्यक्ष गन्नूसिंह गौतम उपाध्यक्ष अजय सिंह ठाकुर कोषाध्यक्ष खम्भान सिंह राजपूत केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य जालम सिंह सचिव सुखनंदन सिंह ठाकुर पूर्व अध्यक्ष चितरंजन सिंह ईश्वर सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में में समाज के पदाधिकारी व नागरिक शामिल हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता गन्नू सिंह गौतम एवं संचालन सचिव के द्वारा किया गया।

विघ्नहर्ता को भक्तों ने नम आंखों से विदाई

साजा (समय दर्श न)।समीपस्थ ग्राम चीजगांव के युवा गणेशोत्सव समिति एवं विभिन्न जगहों में विराजे श्री गणेश भगवान की प्रतिमाओं का पूजन-अर्चन धूमधाम से किया गया। शनिवार एवं सोमवार को डीजे धून के साथ गणेश जी की शोभायात्रा निकालकर गांव के सरोवर में विसर्जन किया गया। जगह-जगह पटाखे फोड़े गए। शोभायात्रा के दौरान ग्राम की महिलाएं भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर प्रसाद प्राप्त करती दिखी तथा बच्चे व युवक भक्ति गीतों पर नाचते गाते नजर आए। सभी भक्तों ने अगले बरस तू जल्दी आ करके जयकारे लगाते हुए विसर्जन किया। युवा

गणेश उत्सव समिति एवं जय मां शारदे समिति चीजगांव के पदाधिकारी चंद्रशेखर साहू, मोतीराम साहू, कैलाश साहू, राहुल मरकाम, धनेश कुमार, धरमु साहू, डोमन साहू, दुर्गेश साहू, प्रताप साहू, देवधर साहू, ठाकुर राम साहू, गणेश साहू, तुलाराम साहू, भोजलाल साहू, पूरन यादव, नरेंद्र साहू, ओम साहू, सुनील साहू, सुरेंद्र साहू, चेतन साहू, चंदन साहू,देवेंद्र साहू,रवि साहू, भूषण साहू, भागवत साहू, रुद्र साहू, चित्रेण साहू, दुर्गेश साहू, राजा साहू, अजय साहू,अशोक साहू, रवि साहू, मुकेश साहू,दशरथ साहू,टीकम नेताम समेत ग्रामीणजन विसर्जन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

संस्कार द राइजिंग स्कूल बसना के विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में बढ़ाया क्षेत्र का मान

बसना (समय दर्शन)। शिक्षा के साथ-साथ खेल-कूद में भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने वाला संस्कार द राइजिंग स्कूल, बसना लगातार नई ऊँचाइयों को छू रहा है। इसी कड़ी में विद्यालय के दो प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय तीन दिवसीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता (05 से 07 सितम्बर 2025) में भाग लेकर अपने क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन किया।

कक्षा 9वीं के छात्र हेमंत साहू ने 100 मीटर दौड़ और ऊँची कूद में हिस्सा लिया, वहीं छात्र शुभ अग्रवाल ने 200 मीटर दौड़ में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दोनों

विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम और नियमित अभ्यास के दम पर प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय को गौरवान्वित किया।

विद्यालय के खेल प्रभारी चिमन बघेल ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता निरंतर अभ्यास और विद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही खेल सुविधाओं का परिणाम है। वहीं प्राचार्य संजय तिवारी ने कहा कि संस्कार द राइजिंग स्कूल केवल अकादमिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि खेल और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट मंच उपलब्ध कराता है। यही कारण है कि विद्यालय के बच्चे जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में लगातार अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि खेलों से बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना विकसित होती है, और विद्यालय सदैव विद्यार्थियों को शिक्षा और खेल दोनों में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालय प्रबंधन ने भी बच्चों की इस उपलब्धि पर खुशी जताई और भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएँ दीं।

बसना क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से पहचान बना रहा संस्कार द राइजिंग स्कूल अब खेलों में भी अपनी अलग पहचान स्थापित कर रहा है। यहाँ के छात्र जिस लगन और मेहनत से आगे बढ़ रहे हैं, उससे निश्चित रूप से आने वाले समय में और भी बड़ी उपलब्धियाँ हासिल होंगी।

विपिन ठाकुर थिंक सो इम्पैक्ट अवार्ड 2025 में यंग लीडर अवार्ड से सम्मानित

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की राजधानी में आयोजित थिंक सो इम्पैक्ट अवार्ड 2025 में समाजसेवी विपिन ठाकुर को यंग लीडर अवार्ड से नवाजा गया। यह सम्मान उन्हें बाल अधिकारों की रक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया गया।

विपिन ठाकुर लंबे समय से बाल अधिकार, बाल संरक्षण और शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य रह चुके ठाकुर वर्तमान में एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के राज्य समन्वयक हैं। बीते दो दशकों में उन्होंने बाल श्रमिकों और मानव तस्करी के शिकार बच्चों को रेस्क्यू करने और अभियुक्तों पर कार्रवाई कराने में अहम भूमिका निभाई है।

वह राज्य प्रशासन अकादमी, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस और शिक्षा विभाग सहित विभिन्न संस्थानों में राज्य स्तरीय प्रशिक्षक एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं।

अवार्ड समारोह का आयोजन एलायंस फॉर बिहेवियर चेंज और सर्वहितम द्वारा एनआईटी

कॉलेज रायपुर के सहयोग से किया गया। यह प्रदेश का पहला थिंक सो ष्टस्क अवार्ड था, जिसका उद्देश्य सामाजिक प्रभाव और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में सीएसआईडीसी अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, यूनिसेफ एसबीसी विशेषज्ञ अभिषेक सिंह, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डा. वर्णिका शर्मा, उरला औद्योगिक संघ अध्यक्ष अश्विन गर्ग और डीटीआईसी रायपुर के महाप्रबंधक हेमेश देवांगन बतौर अतिथि शामिल हुए।

सम्मान मिलने के बाद विपिन ठाकुर ने कहा कि यह अवार्ड उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने इसके लिए एलायंस फॉर बिहेवियर चेंज, सर्वहितम और सृजन सामाजिक संस्था के डायरेक्टर शरद श्रीवास्तव का विशेष आभार जताया। साथ ही उन्होंने कहा कि वे आगे भी बाल अधिकारों की रक्षा और समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

किड्स एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन इंग्लिश मीडियम स्कूल बंसुला में मनाया गया शिक्षक दिवस

बसना (समय दर्शन)। किड्स एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन बंसुला में शिक्षक दिवस अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रात: आठ बजे स्कूल के विद्यार्थी, प्राचार्या, शिक्षक व अन्य स्टाफ स्कूल पहुंच गये। इस अवसर पर प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य आरके दास उपस्थित रहे। सर्वप्रथम कार्यकम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त शिक्षक आर बी प्रधान, वरिष्ठ पत्रकार सेवक दास दीवान, अभय धृतलहरे द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण की प्रतिमा का दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

तत्पश्चात् संबोधन की कड़ी में मुख्य अतिथि द्वारा गुरू(शिक्षक) की महत्ता पर प्रकाश डाला। जो अत्यंत हृदयस्पर्शी व प्रेरणादायक रहा। संबोधन की कड़ी में शिक्षकों के कर्तव्यों के संबंध में बताया गया, जो बहुत ही प्रशंसनीय रहा। तत्पश्चात् डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की 60 जन्म जयन्ती के शुभ अवसर पर शिक्षकों के सम्मान मे केक काटा गया।

शिक्षक दिवस पर मुख्य अतिथि आरबी प्रधान, सेवक दास दीवान, आर.के. दास, अभय धृतलहरे द्वारा शिक्षकों का सम्मान किया गया। स्कूल के बच्चों के द्वारा शिक्षक दिवस पर अपने विचारों को व्यक्त किया गया। उक्त अवसर पर प्राचार्य भगवती जगत, उप प्राचार्य नंदनी प्रधान, तन्नू निशा, हसीना बेगम, उषा बीसी, बासमती जगत, आरती नाग, शबनम जौहरी, वसुधा साव, दीपिका साव एवं पालकगण उपस्थित रहे।

तीज पर्व पर विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने किया नारी शक्ति का सम्मान, कहा-तीज पर्व हमारी संस्कृति की पहचान है

पिथौरा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ कौड़ियां कलार समाज महिला मंच द्वारा आयोजित तीज मिलन समारोह में इस वर्ष पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक गरिमा का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का आयोजन पिथौरा में किया गया, जिसमें क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा अर्चना के साथ हुई।

समारोह में बड़ी संख्या में माताएं, बहनें और बेटियां में शामिल हुईं। लोकगीतों, नृत्य और तीज से जुड़ी विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को जीवंत बना दिया। वही बच्चियों ने पारंपरिक वेभभूषा में नृत्य किया । महिलाओं की मुस्कान और उमंग ने पूरे आयोजन को उल्लासमय बना दिया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने सभी महिलाओं को तीज मिलन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संस्कृति, संस्कार और सहयोग के इस सुंदर संगम में बहनों की मुस्कान और उमंग देखकर मन प्रफुल्लित हो उठा। ऐसे आयोजनों से हमारी सांस्कृतिक धरोहर जीवित रहती है और युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलता है।

विधायक ने कहा कि तीज पर्व नारी शक्ति, आस्था और संस्कृति का जीवंत उदाहरण है। ऐसे आयोजनों से समाज में समरसता और परंपराओं के प्रति सम्मान बढ़ता है। विधायक डॉ अग्रवाल ने कहा कि तीज जैसे पारंपरिक पर्वों के माध्यम से हम अपनी संस्कृति को अगली पीढ़ी तक पहुंचा सकते हैं। हम आज जो भी सिखाएंगे, वही हमारी संस्कृति को जीवित रखेगा। यदि हम इसे भूल गए, तो हमारी पहचान भी खो जाएगी।

तीज मिलन समारोह न केवल एक पर्व का उत्सव था, बल्कि यह समाज की महिलाओं को एकजुट करने और सांस्कृतिक मूल्यों को साझा करने का एक सशक्त मंच भी बना। कार्यक्रम में विभिन्न पारंपरिक खेल, गीत-संगीत, कुर्सी दौड़ और तीज क्वीन प्रतियोगिता जैसी गतिविधियों ने सभी को आकर्षित किया।

तीज मिलन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में महामंडलेश्वर पुनीत सिंहा ,जिला पंचायत सदस्य राम दुलारी सिन्हा,मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि पुरुषोत्तम धृतलहरें, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश सिंघल,सीताराम सिन्हा,प्रदेश मंडल अध्यक्ष प्रमिला सिन्हा,जनपद सदस्य सुमन सिन्हा,पूर्व अध्यक्ष प्रेम लाल सिन्हा,बुद्धेश्वर डडसेना,ब्लॉक उपाध्यक्ष एवं सरपंच प्रियंका सिन्हा,युवा मोर्चा अध्यक्ष विजय पटेल,किसान मोर्चा अध्यक्ष अजय डडसेना,युवा मोर्चा महामंत्री सौरभ अग्रवाल,पार्षद संतोष डडसेना, पितांबर लाल डडसेना, विधायक प्रतिनिधि दिलीप निषाद,ठाकुरदिया सरपंच मनोज सिन्हा,वार्ड 12 पार्षद रामकुंवर सिन्हा,पुष्पराज गजेंद्र, ललती डडसेना,महिला मंच अध्यक्ष मीना सिन्हा,दीपक देवी गजेंद्र,रमेश पटेल, उपाध्यक्ष आत्माराम डडसेना,मंच संचालन परमेश्वर सिन्हा मंचासीन रहे ।

पहले खाद डीएपी अब यूरिया की कमी को लेकर कांग्रेस करेगी बड़ा आंदोलन – राकेश ठाकुर

- गाड़ा बैला की रैली में कल कलेक्ट्रेट पहुंचेंगे किसान और कांग्रेसी

दुर्ग (समय दर्शन)। सोमवार को जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजेंद्र साहू की उपस्थिति में कलेक्टर और एसपी दुर्ग को 10 सितंबर को किसानों की खाद की कमी को लेकर गाड़ा बैला रैली निकलने की सूचना दी । जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने बताया कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार किसानों के साथ धोखा कर रही है । पहले किसानों को डीएपी खाद नहीं मिला किसानों को कालाबाजारी में हजारों में डीएपी खाद लिया गया । अब फिर किसानों को यूरिया खाद नहीं मिल रही है 266 रु की यूरिया 1500 ,2000 में लेने मजबूर हो रहे है । इसको लेकर बुधवार को कांग्रेसी किसानों के साथ गाड़ा बैला रैली निकालकर राजीव भवन से दुर्ग कलेक्ट्रेट जायेंगे । ज्ञापन सूचना देने वालों में जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू सहित प्रवक्ता नासिर खोखर, गोलू अजय गुप्ता, मुकेश साहू, आनंद कपूर ताम्रकार, बिजेंद्र भारद्वाज,मोहित वाल्दे, तिलक राजपूत, अबरार पंवार, सुमित घोस असगर अली, रामकुमार सूर्यवंशी राजेश साहू भास्कर साहू सहित अन्य कांग्रेसी उपस्थित रहे ।

उद्योग पति के द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर किया गया है कब्जा

- राजस्व विभाग ने 10 सितंबर तक जवाब प्रस्तुत करने जारी किया नोटिस

बसना (समय दर्शन)। तहसील बसना अंतर्गत के ग्राम अखराभांठा में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर कब्जा किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में एन.आर.व्ही.एस. स्टील लिमिटेड के डायरेक्टर विजय अग्रवाल पिता नंदकिशोर अग्रवाल निवासी रायगढ़ को राजस्व विभाग द्वारा नोटिस जारी किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पटवारी हल्का क्रमांक 44 ग्राम अखराभांठा के द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है कि गांव की शासकीय भूमि खसरा नंबर 318, 330 (घास चराई), 322, 328, 117 (पहाड़ चट्टान) की कुल रकबा 10 हेक्टेयर में से लगभग 5.21 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण कर कब्जा होना पाया गया है। बताया गया है कि उक्त भूमि के हिस्से पर सोलर प्लांट का निर्माण कर लिया गया है तथा कुछ भाग को घेराबंदी कर कब्जे में ले लिया गया है।

राजस्व अधिकारियों ने मामले को गंभीर मानते हुए अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन न्यायालय में प्रस्तुत किया है। इसके आधार पर

विजय अग्रवाल को नोटिस जारी कर निर्देशित किया गया है कि वे आगामी 10 सितंबर 2025 को सुबह 11 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करें।

नोटिस में स्पष्ट उल्लेख है कि यदि वे नियत तिथि पर न्यायालय में उपस्थित नहीं होते हैं तो उनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जाएगी। इस मामले में थाना प्रभारी बसना को भी सूचित किया गया है तथा उन्हें निर्देश दिये गये हैं कि संबंधित खसरा नंबरों से अतिक्रमण रोकने एवं स्थगन आदेश का पालन करवा कर न्यायालय को अवगत करायें। साथ ही राजस्व निरीक्षक एवं हल्का पटवारी को भी निर्देशित किया गया है कि स्थगन आदेश जारी होने के बाद भूमि पर हो रहे निर्माण कार्य की स्थिति का प्रतिवेदन नियत तिथि से पूर्व न्यायालय में प्रस्तुत करें।

ग्राम अखराभांठा की यह शासकीय भूमि राजस्व रिकॉर्ड में घास चराई एवं पहाड़ चट्टान श्रेणी में दर्ज है। ऐसे में इस भूमि पर किसी भी प्रकार का निजी निर्माण या उपयोग नियम विरुद्ध माना जाता है।अखराभांठा के ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि उक्त अतिक्रमित भूमि मुक्त किया जाये।

अब देखना यह होगा कि उद्योगपति विजय अग्रवाल न्यायालय में क्या जवाब प्रस्तुत करते हैं और प्रशासन इस पूरे मामले में आगे क्या कार्रवाई करता है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26